गृहिणी स्वयं सेवी संस्था

REGD.No. 4133

वार्षिक रिर्पोट

2017

गृहिणी स्वयं सेवी संस्था अल्ट्राटेक प्रोजेक्ट कालोनी हिरमी वि.ख. सिमगा जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)

संस्था का परिचय

❖ संस्था का नाम	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था
❖ स्थापना वर्ष	–	1996
❖ पंजीयन क्रमांक	–	4133
❖ एफ. सी. आर.क्रमांक	–	327520044
❖ मान्यता प्राप्त	–	12 ए.
❖ एफ. पी. ओ. प्रमाणित	–	खाद्य एवं फल संस्करण मंत्रालय द्वारा
❖ फोन नम्बर	–	07726–281749
❖ ई–मेल	–	grihini.ngo4133@gmail.com
❖ वेबसाइट	–	www.grihiningo.org
❖ पता	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था अल्ट्राटेक प्रोजक्ट कालोनी ग्राम व पोस्ट –हिरमी, वि.ख.–सिमगा जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) पिन कोड–493195

गतिविधियॉ–

गृहिणी संस्था में आय अर्जक प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र में हो रहे गतिविधियों को बढ़ाने एवं अधिक से अधिक दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ने हेतु बनाने की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई।

❖ समूह आधारित आय अर्जक प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्देश्यः– शासकीय एवं गैर शासकीय संस्था के माध्यम से दिव्यांग समूह सशक्तिकरण हेतु आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ना।

क्रमॉक	गतिविधि	कार्यक्रम संख्या	प्रतिभागी संख्या
1	सिलाई प्रशिक्षण	01	25
2	अगरबत्ती प्रशिक्षण	01	32
3	बकरी एवं मुर्गी पालन	01	30
4	सिलाई प्रशिक्षण (शैक्षणिक भ्रमण)	01	15
5	बकरी पालन (शैक्षणिक भ्रमण)	01	15
6	व्यव्सायिक विकास प्रशिक्षण	01	19

❖ परियोजना अंतर्गत कार्यक्रम

सामाजिक समावेशी परियोजनाः–

परियोजना का उद्देश्यः– निःशक्तजनों की क्षमता में वृद्धि कर उन्हे स्व वकालत हेतु तैयार करना एवं विकास कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाना साथ ही निःशक्तजनो के सामाजिक समावेशी हेतु शासकीय तंत्र और अन्य भागीदारों का सुदृढ़ीकरण करना ।

क्र.	गतिविधि	कार्यक्रम संख्या	प्रतिभागी संख्या	विवरण
01	**सिलाई प्रशिक्षण**	01	महिला 25	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत दिव्यांगों बालिकाओं के लिए दिनांक 22.04.2017 से 25.04.2017 तक चार द्विवसीय आवासीय उन्नत सिलाई प्रशिक्षण का आयोजन महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार डिजाइनों में कपड़े कटिन एवं

				सिलाई का प्रायोगिक जानकारी दिया गया। बलौदाबाजार, पलारी, सिमगा एवं भाटापारा के 25 महिला दिव्यांगों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षिका श्रीमती सुमन नारायण एवं श्री प्रीतम पटेल के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिभागी वर्तमान में अपना कोई भी व्यवसाय नहीं चला रहें न ही किसी भी प्रकार से रोजगार कर पा रहें हैं। जिस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नही है न ही किसी भी प्रकार से कोई आमदनी नहीं हो पा रही है। इन्ही समस्याओं को ध्यान देते हुए संस्था द्वारा ऐसे दिव्यांगों की पहचान कर प्रशिक्षण हेतु बुलाया गया। दिनांक 22.04.2017 को प्रशिक्षण में आये हुए प्रतिभागी को सिलाई मशीन कि बेसिक जानकारी दिया गया तथा उन्हे ग्रामीण स्तर कि महिलाओं में चलन के अनुसार सिम्पल ब्लाउज कटिन से सिखाना प्रारंभ कर ब्लाउज के नये डिजाईन के ब्लाउज एवं कॉलर ब्लाउज ,डिजाईन ब्लाउज ,क्रास कटिंग ब्लाउज, एवं अस्तर ब्लाउज का कटिन सिखाया गया। दिनांक 23.04.2017 को प्रशिक्षिका द्वारा सलवार सुट, कि कटिन एवं सिलाई कि जानकारी दिया गया जिसमें सिम्पल सलवार ,चुड़ीदार सलवार ,कॉलर सुट,डिजाईन सुट,पिइपिन सुट,और पालिड़ ब्लाउज, कटिन सिखाया गया। दिनांक 24.04.2017 को प्रशिक्षिका द्वारा पटियाला सलवार कि कटिन जिसमें पटियाला सलवार ,काली लंहगा, अनारकली सुट,सेमी पटियाला सलवार व सिलाई सिखाया गया। दिनांक 25.04.2017 को प्रशिक्षिका द्वारा सरारा सलवार ,अस्तिन डिजाईन ,एवं सलवार के विभिन्न के डिजाईन तथा सभी कटिन का सिखाया गया। ग्रामीण दिव्यांगों को इस परियोजना के तहत आत्मनिर्भर बनाना तथा स्वयं के व्यवसाय को वृहद स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से उक्त प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षक श्रीमती सुमन नारायण, श्रीमती लक्ष्मी पंपालिया अध्यक्ष कल्पतरू महिला मंडल, बसंती वर्मा, कंचन पटेल, अतिथियों द्वारा दिव्यांग साथियों को इस प्रशिक्षण में दिये गये जानकारियों को उपयोग करते हुए उन्नत सिलाई कर अपने रोजगार प्रशस्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम में गृहिणी संस्था के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य एक दिव्यांग साथी अपने रोजगार से जुड़ कर ताकि वह समाज कि मुख्य धारा मे जुड़ सकें एवं अपने व अपने परिवार आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी कर सुधार सके।
02	**राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स का सम्मान**	01	महिला 1	दिनांक 20.04.2017 गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत इस प्रतिभावान लड़की संस्था द्वारा एथलेटिक्स मे भेजा गया जिसमे

				राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स में पुष्पा साहू ग्राम मोहतरा जिला बलौदाबाजार के विजयी खिलाड़ी को राज्य के मुख्यमत्री माननीय डॉ. रमनसिंह द्वारा सम्मान दिया गया।
03	**युवक युवती परिचय सम्मेलन**	02	16 पुरूष 23 महिला कुल 39	दिनांक 15.04.2017 दिव्यांग युवक युवती परिचय सम्मेलन अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद शिवरीनारायण, जिला–जांजगीर के द्वारा 18वॉ आंचलिक युवक –युवती परिचय सम्मेलन रखा गया क्रार्यक्रम के मुख्य अतिथि– डॉ.डी.पी. अग्रवाल (राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष– अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद) जिसकी अध्यक्षता– श्री संजय अग्रवाल (अध्यक्ष– नगर पंचा.शिवरीनारायण) एवं विशिष्ट अतिथि– श्री बजरंग लाल केडिया (भगवान दास केडिया चेरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता) के सहयोग से शिवरीनारायण में 18 आंचलिक युवक युवती परिचय सम्मेलन का क्रार्यक्रम रखा गया जिसमें श्री संजय अग्रवाल (अध्यक्ष न.पंचा.) माता शबरी भगवान जगन्नाथ का पूजा करके, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का अभिनंदन कर आंचलिक युवक–युवतीयों का स्वागत करते हुए क्रार्यक्रम को आगे बढाया तथा अपने उद्बोधन् में कहां दिव्यांग युवक–युवतीयों के लिए जीवन साथी का होना एवं जीवन साथी को एक दुसरे का हाथ थाम कर चलने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के द्वारा लोगो को जागरूक करने एवं तथा विकलांगता को श्राप न मानकर दिव्यांगता माने उन्होने अपने अविभाषण में कहां कि एक दिव्यांग दूसरे दिव्यांग के दर्द (मन कि बात) समझ सकता है, और वह एक दुसरे का हाथ से हाथ मिलाकर जीवन रूपी नॉव सफर पे करना। गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईट सेवर्स के सहयोग से छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना के तहत् ब्लाक एवं जिला– बलौदाबाजार से पुरूष 4 महिला 14 कुल 18 दिव्यांग इस परिचय सम्मेलन में सम्मिलित हुए जिसमे पॉच दिव्यांग विवाह हेतु एक दुसरे को सहमति दी जिनका विवाह हिन्दु रिवाज से दिनांक 28.04 2017 को दो दिव्यांग जोड़े कि **आदर्श विवाह** अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट हिरमी जिला बलौदाबार (छ.ग.) के द्वारा एवं 30.05.2017 को दो दिव्यांग जोड़े का विवाह शिवरीनारायण में अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद एवं भगवान दास केडिया चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा सम्पन्न किया गया।
04	**दिव्यांग कि आय अर्जक गतिविधि बढ़ाने हेतु दिया गया कम्प्रेशर**	01	पुरूष 1	**दिव्यांग को कम्प्रेशर मशीन प्रदान कर किया सहयोग** दिनांक 14.05.2017 गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु बलौदाबाजार जिले में छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना संचालित है। जिसके तहत दिव्यांगों को रोजगार से जोड़नें हेतु सायकल

				रिपेरिंग का प्रशिक्षण 2015 एवं 2016 में कुथरौद निवासी राजेन्द्र कुमार अनंत सहित 46 दिव्यांग साथियों को प्रदान किया गया था। प्रशिक्षण उपरान्त राजेन्द्र ने आजीविका के साधन के रूप में सायकल रिपेयरिंग को अपनाया। राजेन्द्र का सायकल स्टोर्स कुथरौद–तिल्दा मुख्य मार्ग पर स्थित है, जहॉ मोटरसायकल एवं वाहनों का आना जाना लगा रहता है। अपने लगन एवं मेहनत से राजेन्द्र ने सायकल रिपेयरिंग में पारंगत होकर मोटर सायकल पंचर बनाने का भी साहसिक परिश्रम कर सफलतापूर्वक अपना रोजगार प्रशस्त किया, किन्तु दिव्यांगता के कारण सायकल/मोटरसायकल में हस्तचालित पंप से हवा भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस प्रकार के जरूरतमंद दिव्यांग साथियों को गृहिणी संस्था अन्य दानदाता व्यक्तियों/संस्थानों से सम्पर्क कर सहयोग दिलाने प्रयासरत रहता है। जब इस कुशल कारीगर के परेशानियों का पता संस्था अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव को ज्ञात हुआ, उन्होनें इस परेशानी को दूर करने **दानदाता श्रीमान रोहित सिन्हा (एल. एण्ड टी. हाइड्रोकार्बन कंट्री हेड एच.आर.) एवं श्रीमती तुलिका सिन्हा (असिस्टेंट प्रोफेसर एट इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ हॉटल)** से सम्पर्क कर राजेन्द्र की परेषानियों का जिक्र किया तो श्रीमान रोहित सिन्हा एवं श्रीमती तुलिका सिन्हा जी ने राजेन्द्र को कम्प्रेशर मशीन प्रदान कर सहयोग करने का फैसला किया। इस प्रकार दिनॉक–05.03.2017 को श्रीमान रोहित सिन्हा एवं श्रीमती तुलिका सिन्हा के सहयोग से राजेन्द्र को कम्प्रेशर मशीन प्रदान कर उत्कृष्ट योगदान दिया। इस सहयोग कार्यक्रम में श्री मनोज पुलतामेकर, के. एस. मंडेयाल, अरूण बेहारी संजय धनयक, शंकर पटयाल, डागा पेंटर, तोमेश वर्मा, ईष्वर छाटा, गजाधर वर्मा एवं राजेन्द्र अनंत का परिवार एवं ग्रामीण जन उपस्थित थें। इसके पूर्व राजेन्द्र कुमार का आय प्रतिदिन 100रूपये होता था, कम्प्रेसर मशीन की सहायता से हवा भरने का कार्य आसानी से एवं बिना किसी शारीरिक परिश्रम से जल्दी हो जाता है। कार्य की गति बढ़ने से राजेन्द्र के प्रतिदिन आय दोगुना हो जाएगा।
05	**दिव्यांग साथियों को मिला दैनिक कौशल विकास प्रशिक्षण**	01	19 पुरूष 11 महिला कुल 30	दृष्टिबाधित दिव्यांग साथियों के दैनिक जीवन कौशल विकास एवं स्मार्ट केन संचालन पर 4 से 7 मई 2017 तक चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से किया गया। दृष्टिबाधित स्कूल, मठपुरैना, रायपुर से प्रशिक्षिका श्रीमती रवणेश्री राव एवं श्रीमती श्वेता तिवारी द्वारा दी गई– दिनांक 04.05.2017 सायंकाल में इस प्रशिक्षण में

				बलौदाबाजार, भाटापारा, सिमगा, एवं पलारी से कुल 30 प्रतिभागी उपस्थित हुए चारो ब्लाक से आये हुए दिव्यांग को परिचय के माध्यम से कलस्टर कोर्डिनेटर द्वारा प्रथम दिवसीय गतिविधि प्रारंभ कि और दिव्यांग साथी को अपना एवं उनका परिचय दी गई तथा उन्हे 4 दिवसीय प्रशिक्षण में होने गतिविधि पर चर्चा कर दिव्यांग साथीयों के साथ निम्न बातों पर चर्चा कि गई – 1. बाहर आने जाने में क्या–क्या कठनाईयों होती है जानकारी लिया गया एवं उन्हे किस प्रकार से प्रशिक्षित कि जाएगी। 2. दिव्यांग साथीयों के प्रति परिवार एवं समाज के लोगो कि सोच पर बात कि गई कि कैसे दिव्यांग साथी को परिवार में उनके प्रति सोच रखा जाता है। 3. दिव्यांग के प्रति कैसे व्यवहार किया जाता है पर चर्चा कि गई। 4. दिव्यांग साथी को बाहर जाने में उनको किस प्रकार कि सहयोग कि आवश्यकता होती है। दिनांक 05.05.2017 को सर्वप्रथम प्रशिक्षिका द्वारा अपना एवं दिव्यांग साथीयों को परिचय दी गई सुबह व्यवयाम् योग तथा आत्म रक्षा के अभ्यास कराया गया। तत्पश्चात अनुस्थिति ज्ञान एवं मोबिलिटी, सुरक्षा पद्धति, दैनंदनीय (दैनिक) कार्य जैसे वस्त्र पहनना, ब्रश करना, मुद्रा पहचाना, चाय बनाने कार्यों का मौखिक एवं प्रायोगिक जानकारी दिया गया। दिनांक 06.05.2017 प्रशिक्षिका द्वारा छड़ी के बारे बताई गई श्वेत छड़ी से परिचय, महत्व एवं तकनीक, स्मार्ट छड़ी से परिचय एवं छड़ी से चलना, सडक पार करते समय दिशा परिवर्तन आदि का अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त इंद्रियों से ज्ञान जैसे श्रवण के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मोटर गाड़ियों के आवाज, पशु पक्षियों का आवाज पहचानना, स्पर्श के माध्यम से पदार्थो का ज्ञान, गंध के माध्यम से पदार्थो का ज्ञान, स्वाद के माध्यम से पदार्थो को पहचानना आदि प्रायोगिक क्रियाओं के माध्यम से दिव्यांगों के जीवन कौशल विकास हेतु प्रशिक्षित किया गया। दिनांक 07.06.2017 को गृहिणी संस्था के कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षिकाओं द्वारा सिखाये गये तकनीको को

				पुर्नअभ्यास कराया। इस बीच कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र हिरमी से श्रीमती रश्मि पनपालिया, ग्रासीम सीमेंट संयंत्र रावन से सी.एस.आर. हेड श्रीमान विनोद श्रीवास्तव, गृहिणी संस्था अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव, प्रशिक्षिका श्रीमती रवणेश्री राव एवं श्रीमती श्वेता तिवारी साथ ही गृहिणी संस्था के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे। दृष्टिबाधित बालिकाओं ने गृहिणी संस्था द्वारा दिये गये आत्मरक्षा प्रशिक्षण का प्रर्दशन किया, नकुल वर्मा ने अपने मधुर वाणी से भजन गाकर सबको भावविभोर कर दिया। जिन्हें प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
06	**लोक सुराज अभियान (जागरूकता)**	04	67	लोक सुराज अभियान के तहत् गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा ब्लाक के सभी ग्रामो में गृहिणी कार्यकर्ता द्वारा जानकारी प्रदान कर दिव्यांग साथी को अपनी समस्या को शासन से निराकरण हेतु आवेदन करना तथा स्ववकालत के माध्यम से अपने ब्लाक के दिव्यांगो के समस्या रख कर उचित कार्यवाही कर लाभर्थी को लाभ पहुॅचाना। **पृष्ठ भूमि**–ब्लाक भाटापारा के दिव्यांगो स्थिति बलौदाबाजार के अन्य ब्लाक सिमगा, पलारी ,बलौदाबाजार के दिव्यांगो जैसे उन्हे शासन कि योजनाओं एवं दिव्यांगो के अधिकार पर व योजना कि जानकारी नही थी। और शासकीय अधिकारियों व ग्राम पंचायत द्वारा भी शासन संबंधी योजनाओ कि जानकारी उन्हे सही रूप से नही दी जाती थी जिसके कारण ब्लाक के गरीब व कम पढ़े लिखे दिव्यांगो को शासकीय योजना का लाभ नही मिल पाना और किये आवेदन का शासकीय फाइलो दब कर रह जाना दिव्यांग साथी कार्यलय का चक्कर काटते रहना लेकिन उनकी समस्याओं का निराकरण नही हो पा रहा था। संस्था द्वारा प्रयास– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईटसेवर्स के तहत जिला बलौदाबाजार में छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना तीन ब्लाक सिमगा,बलौदाबाजार ,पलारी में चल रहा है परियोजना का लक्ष्य दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में गुणवत्ता में वृद्धि करना। संस्था द्वारा 01.01.2017 से ब्लाक भाटापारा में इस परियोजना में कार्य करने के लिए कलेक्टर महोदय को सुचना देकर ब्लाक भाटापारा में दिव्यांगो को शासन संबंधी योजनाओं के जानकारी देने व ब्लाक के कम पढ़े व अनपढ़ निःशक्त जनो को उनके अधिकारो को जानकारी प्रदान करने के लिए माननीय कलेक्टर महोदय से अनुमति लिया। ततपश्चात गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एक कार्यकर्ता नियुक्त कर ब्लाक स्तर एवं ग्रामो में जाकर बेसलाईन सर्वे किया ग्राम स्तर में स्टेक होल्डर (जनप्रतिनिधि व

				शासकीय कर्मचारी) के साथ बैठक कर दिव्यांगो को मिलने वाले अधिकार पर चर्चा किया तथा दिव्यांग को शासन से बहुत सारी योजनाए है, जो कि दिव्यांग साथी के कम पढे लिखे तथा पराश्रित होने के कारण दिव्यांगो को उनका लाभ नही मिल पा रहा है। ग्राम के सक्रिय चुने हुए दिव्यांग जो अपनी कमजोरी को ताकत बनाकर ग्राम व ब्लाक स्तर पर स्वकालत किया। और ग्राम में दिव्यांगो को हो रही समस्या को प्रत्येक माह भाटापारा के शासकीय गार्डन में बैठक कर विगत तीन माह से कार्ययोजना बनाकर ग्राम पंचायत, ब्लाक स्तर पर स्ववकालत करना प्रारंभ करने लगे। और सक्रिय दिव्यांग द्वारा अपने नजदीक के ग्राम के दिव्यांग साथी को योजना कि जानकारी प्रदान प्रारंभ कर दिया। जिसके फलस्वरूप एक छोटी सी प्रयास देखने को ग्राम पंचायत गुर्रा में आयोजित लोक सुराज अभियान में मिला इन दिव्यांगो कि जागरूकता एवं संस्था द्वारा दी गई जानकारी का लाभ दिव्यांग साथीयों द्वारा उठाई तथा लोक सुराज में निम्न मुददों पर ज्ञापन सौपा।
07	**ब्लाक स्तरीय संघ का गठन**	01	18 पुरूष 04 महिला कुल 22	**ब्लाक भाटापारा** में ब्लाक स्तरीय संघ का गठन दिनांक 10.05.2017 को संघ का नाम करण शक्ति दिव्यांग संघ रखा गया एवं ब्लाक पदाधिकारी सर्वसम्मति से चुनी गई। अध्यक्ष – श्री देवादास टण्डन सचिव – श्री योगेश वर्मा कोषाध्यक्ष– कु. भोलेश्वरी वर्मा सदस्य– कमल कुमार बांधे,महानदास सोनवानी, पुष्पा निषाद, मीना निषाद, गंगाराम बंजारे, कु.बृहस्पति, रविचन्द पाल, योगेश्वर पाल, त्रेताप्रसाद, सुकदेव रात्रे को ब्लाक भाटापारा संघ पदाधिकारी बनाई गई तथा संघ के सभी सदस्य ने शपथ लिया की संघ व ब्लाक के दिव्यांग साथी को उनके हक व अधिकार के बारे में सभी ग्रामो में जा कर दिव्यांग को बताने कि बात कही।
08	**मुर्गी व बकरी पालन प्रशिक्षण**	01	18 पुरूष 05 महिला कुल 25	दिनांक 27.05.2017 छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना अंतर्गत गृहिणी स्वयं सेवी संस्था द्वारा पशु चिकित्सा विभाग एवं साईट सेवर्स के सहयोग से एक दिवसीय पशुपालन (मुर्गी व बकरी)पालन प्रशिक्षएण का आयोजन कियाा गया इस प्रशिक्ष्ण का शुभारंभ प्रशिक्षक अनुराधा यादव पशु चिकित्सस अधिकारी सिमगा एवं सहयोगी विजेन्द्र सोनी जी के स्वागत एवं प्रतिभागियो के परिचय से किया गया ततपश्चात अनुराध जी पशुओं में लगने वाली बिमारियों का जिक्र करते टिकारण तथा पशुओं चारा एवं अंजोला घास घर पर तैयार करने विस्तृत जानकारी प्रदान कि गई। चाय काल के बाद विजेन्द्र सोनी जी ने बकरीयो में लगने वाले मौसमी बिमारियों जैसे

				गलघोंटू,खुरपका,मुहपका,चंचक,एवं दस्त जिसके कारण बकरियों ज्यादामरती है।इन बिमारियो का पहचान व बचाव तथा समय पर टिकाकरण पर विस्तृत जानकारी चलचित्र के माध्यम से देते हुए बकरी पालन के उन्नत व्यवसाय हेतु नस्ल सुधार के लिए क्षेत्र के उन्नत नस्ल जमुनापली ,बारबरीक जो बलौदाबाजार क्षेत्रीय उन्नत नस्ल कि बकरीयो की जानकारी दी गई। ततपश्चात बकरी के मांस बिक्री एवं बकरी के मांस का आचार के बारे तथा नजदीक के बाजार विक्रय हेतु जानकारी दी गई। भोजन अवकाश के पश्चात मुर्गी पालन को ध्यान देने योग्य बातो पर चर्चा सुरवात हुआ था कि अनुराधा जी का आकस्मिक फोन आने के कारण प्रशिक्षण को रोककर जाना पड़ा किन्तु अंत में यादव मैडम ने आश्वसन दिया कि किसी भी प्रकोर की जानकारी के लिए प्रत्येक ब्लाक में पशु चिकित्सस विभाग है जहॉ संम्पर्क कर विस्तृत जानकारी लिया जा सकता है एवं सभी ग्रामो के लिए पशुचिकित्सक है जिससे संम्पर्क कर अच्छी व्सवसाय कि जानकारी लेकर अधिक आय अर्जन किया जा सकता है। प्रशिक्षको के विदाई के पश्चात सभी प्रतिभागीयो को बहुउपयोगी पशुपालन संबंध पुस्तक प्रदान कि गई।
09	**छ.ग.राज्य स्तरीय पैरा जुडो प्रशिक्षण शिविर (दृष्टिबाधित एवं मुकबधिर)**	01	3 पुरूष 5 महिला कुल 8	दिनांक 18.05.2018 को छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय दृष्टिबाधित एवं मुकबधिर जुडों प्रशिक्षण शिविर में राज्य से 6 जिले के 45 दिव्यांग खिलाडियो ने भाग लिया। जिसमें बलौदाबाजार जिले से गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के सहयोग से चार ब्लाक भाटापारा, ब्लौदाबाजार, पलारी, सिमगा से कुल 8 दिव्यांग दृष्टिबाधित दिव्यांग खिलाडियों नें प्रंशिक्षण में सम्मिलित हुए। इस प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन जुडों संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत पाढ़ी जी ने किया प्रशिक्षक जुडों मास्टर शेख समीर जी एवं पार्वती साहू जी द्वारा सभी खिलाडियों को जुडो से संबंधित जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थी राज्य स्तरीय जुडो खेल में भाग में लेंगे। हमें आशा है कि बलौदाबाजार की जुड़ो टीम आगामी प्रतियोतिगता में विजेता होकर संस्था के उद्धेश्य को पुरा करने में सतत् प्रयासरत रहेगी और उनका सहयोग मिलेगी साथ ही साथ जिले के और गॉव में जाकर के दिव्यांगो को जुडो प्रशिक्षण दी जाएगी।
10	**व्यव्सायिक विकास प्रशिक्षण**	01	9 पुरूष 10 महिला कुल 19	छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना अंतर्गत गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईट सेवर्स के सहयोग से दिनांक 24.06.2017 से 27.06.2017 तक चार दिवसीय व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण क्रार्यशाला का आयोजन

				महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में रखा गया जिसमें दिव्यांगो को व्यवसाय से जुड़ी छोटी से छोटी एवं बारीक पहलूओ में बात कर अनको व्यवसाय को किस प्रकार प्रारंभ करना है एवं उनके व्यवसाय से समाग्री लेना खरीदना तथा किस प्रकार व्यवसाय का विस्तार करना है इत्यादि बातों कि जानकारी दी गई। **प्रथम दिवस–** भोपाल से आये हुए प्रशिक्षक द्वारा दिव्यांग साथी से साथियों से उनका एवं समूह परिचय लिया गया। ततपश्चात ब्लाक स्तर पर कितने दिव्यांग है इस पर चर्चा कर ब्लाक समन्वयक तथा कलस्टर समन्वयक से दिव्याग की जानकारी लिया गया। उसके पश्चात दिव्यांगो से उनका मुख्य व्यवसाय कि जानकारी लेकर व्यवसाय के मुददो पर चर्चा कि गई और व्यवसाय किस प्रकार प्रांरभ करना है। इस व्यवसाय प्रशिक्षण में समूह द्वारा व्यवसाय किसी भी प्रकार प्रारंभ करना तथा व्यवसाय को आगे बढ़ाना है। **द्वितीय दिवस–** व्यवसाय के लिए समूह के लिए रणनीति बनाना जैसे 1 समूह बनाना ,2 एन.आर.एल. एम. से जोड़ना ,समूह के बचत राशि का उपयोग करना। **सामाग्री बनाने–** व्यवसाय प्रारंभ किये लोगो को सामुहिक रूप से कार्य करने के लिए उनको सामग्री तैयार करना तथा व्यपार कि दृष्टि से कितना सामग्री बना कर कार्य का प्रारंभ कर सकते है। **समय–** समूह कितने समय तक व्यवसाय में अपना समय दे सकते है जिससे प्रारंभिक तौर पर लोगो को अपना कार्य प्रारंभ में किसी सदस्य कोई दिक्कत न हो सके। समूह कार्य गतिविधी को समझना– समूह कि व्यवासायिक गतिविधी तैयार करने पर दिव्यांग समुह सदस्यो (कार्य गति)का आकलन करना जैसे– सामग्री बनाने में कितना लागत , विक्रय एवं लाभ को देखकर कार्य करना तथा उत्पादित सामाग्री का खपत के आधार पर कार्य करना। तृतीय दिवस– सभी दिव्यांगो को चार ग्रुप में बाट कर एक–एक केस स्टडी से उनको दिया तथा केस स्टडी से व्यवसाय किस प्रकार प्रारंभ करना है। किस प्रकार चलाना चाहिए इत्यादि विषयो पर चर्चा कर व्यवसाय को किस प्रकार चलाना चाहिए और किन नियमो का पालन कर व्यवसाय को आगे बझाया जा सकता है। 1. व्यवसाय योजनाः– किसी भी व्यपार को प्रारंभ करने के लिए व्यवसायिक योजना बनाना जरूरी है।क्योकि बिना योजना के व्यवसाय नही चल सकता है। 2. बाजार मुल्यांकन :– व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए बाजार मुल्यांकन करना आवश्यक है बिना बाजार मुल्यांकन कर व्यवसाय प्रांरभ करने पर व्यवसाय में नुकसान उठाना पड़

				सकता है। 3. पूंजी निवेशः– व्यवसाय करने पर हम कितना पूंजी निवेश कर सकते है। जिससे व्यपार को आगे बढ़ाया जा सके । **चतुर्थ दिवस–** चतुर्थ दिवस पर व्यवसायिक भ्रमण करना एवं व्यवसाय से जुड़े दिव्यांगो के ग्रामो में जाकर व्यवसायिक रिपोर्ट बनाई गई तथा व्यवसाय कर रहे लोगो का कार्यो कि समीक्षा ली गई। इसके पश्चात बाजार मुल्यांकन कि गई जिससें यह पता चल सके कि जो लोग व्यवसाय कर रहे है उनका व्यवसाय कितना सफल है। **थ्री एक्सपर्ट टेकनीक से जानकारी लेना**– किसी भी प्रकार के व्यवसाय के लिए यह जानकरी लेना आवश्यक है– 1. **व्यापारी–** किसी व्यवसायिक में कार्य करने व्यपारी से उस व्यपार से जुड़ी तथ्यो कि जानकारी लेकर व्यवसाय प्रारंभ करना चाहिए। 2. **टेकिनकल एक्सपर्ट–** टेकिनकल एक्सपर्ट से उस व्यवसाय कि बाजार में कितना मांग है इस आधार पर जानकारी लेना। 3. **सहकारी योजना कार्यकर्ता–** व्यवसाय प्रारंभ करने से पहले हमें सहकारी योजना कार्यकर्ता से मिलकर उस व्यपार के लिए सरकार से कितना मदद मिल सकती है उस बात पर चर्चा कर व्यपार करना चाहिए।
11	**लीडरशीप प्रशिक्षण एवं समूह संवर्धन**	03	57 पुरूष 33 महिला कुल 90	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत नये विकासखण्ड़ पलारी एवं बलौदाबाजार के चयनित दिब्यांगजनों का लीडरशीप विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद, हिरमी में दिनांक 27.06.2017 से 01.07.2017 को आयोजित की गई। जिसमें बलौदाबाजार जिले के कुल 45 समूहो 90 दिब्यांग महिला एवं पुरुषों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समूह गठन एवं उनके लाभ के बारे में बताया गया। खण्डवा, झारखंड़ से आये प्रशिक्षक द्वारा निःशक्तजनों के समूह गठन करना, समूह बनाने के फायदे, कानूनी जानकारी, अधिकारों व स्वयं से पैरवी करने के क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण दिया गया। निःशक्तजनों को शासकीय योजनों से जोडने हेतु कौन–कौन से अनिवार्य दस्तावेजों की जरुरत होती है, उस संदर्भ में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षक द्वारा सभी निःशक्तजनों का आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना बनाई गई, जिसमें उनसे लौटकर प्रमुख कार्य पहले गांव से निःशक्त का समूह बनाना, लीडर का चुनाव करना, नियमित बैठक लेना आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक द्वारा दिब्यांगजनों को शासकीय योजनाओं के लाभ लेने एवं उनके लिए

				बनाये गये विभिन्न अधिनियमों के बारे में भी विस्तार से बताये गये। दिब्यांगजनों को शासकीय नौकरी एवं स्वयं का व्यवसाय से जुड़ने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया, जिनसे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सके और समाज में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सके। साथ ही उन्होने गठित समूहों को भविष्य में बड़े स्तर पर कोआपरेटिव तैयार कर स्वयं का व्यवसाय एवं आवश्यकता पूर्ति कर सके, इसके लिए उन्हें अन्य पर आश्रित होने की आवश्यकता नही होगी। **दिनॉक 26.07.2017 से 27.07.2017 लीडरशीप ट्रेनिग भोपाल** में जिला के दो दिव्यांग को डी.पी.ओ. के कार्यो तथा उनके क्षमता विकास के लिए साईटसेवर्स भोपाल में RPDW एक्ट व 21 प्रकार के विकलांग व कानूनी जानकारी पर प्रशिक्षण दिया गया ।
12	**छ.ग. विकलांग मंच के साथ साझा कार्यशाला**	01	14 पुरूष 6 महिला कुल 20	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत नये विकासखण्ड़ सिमगा ,भाटापारा ,पलारी, एवं बलौदाबाजार परियोजना कार्यलय बलौदाबाजार में दिनांक 20.08.2017 एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन छ.ग. विकलांग मंच के साथ साझा के साथ रखा गया। जिसका मुख्य उद्धेश्य– • छत्तीसगढ़ विकलांग मंच एवं विकलांग कल्याण संघ की कार्ययोजना का साझा एवं जिला स्तर पर कार्य करनें की रणनीति तय करना। • एन.आर.एल.एम. योजना में विकलांगों की स्थिति पर चर्चा। • ग्राम एवं ब्लाक स्तर बन रहें संगठन पर मजबूतीकरण । • कार्यों में आने वाली बाधाओं पर चर्चा। • बाधा निराकरण पर संगठन पर चर्चा। • साझा कार्यक्रम होने से संगठन में मजबूती होगी।
13	**बकरी पालन हेतु शैक्षणिक भ्रमण लखनऊ**	01	10 पुरूष 5 महिला कुल 15	छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना अंतर्गत गृहिणी स्वयं सेवी संस्था द्वारा **द गोट ट्रस्ट लखनऊ** शैक्षणिक भ्रमण कार्य एवं साईट सेवर्स के सहयोग से दिनांक 24.08.2017 से 28.08.2017 पॉच दिवसीय पशुपालन बकरी पालन प्रशिक्षण का आयोजन कियाा गया इस प्रशिक्षण का प्रशिक्षक डा. आशीष, पशु चिकित्सक, श्री संजीव अध्यक्ष द गोट ट्रस्ट, एवं सहयोगी अरूण जी के स्वागत एवं प्रतिभागियो के परिचय से किया गया ततपश्चात डा. आशीष, पशुओं में लगने वाली बिमारियों का जिक्र करते टिकारण तथा पशुओं चारा एवं चाट, आहार हर्बल मशाला घास घर पर तैयार करने विस्तृत जानकारी प्रदान कि गई।

				के बाद अरूण जी ने बकरीयो में लगने वाले मौसमी बिमारियों जैसे गलघोंटू,खुरपका,मुहपका,चंचक,एवं दस्त जिसके कारण बकरियों ज्यादा मरती है।इन बिमारियो का पहचान व बचाव तथा समय पर टिकाकरण पर विस्तृत जानकारी के माध्यम से देते हुए बकरी पालन के उन्नत व्यवसाय हेतु नस्ल सुधार के लिए क्षेत्र के उन्नत नस्ल , जो क्षेत्रीय उन्नत नस्ल कि बकरीयो की जानकारी रखना जरूरी है। ततपश्चात बकरी के मांस बिक्री एवं बकरी के मांस का आचार के बारे तथा नजदीक के बाजार विक्रय हेतु चर्चा कि गई इसके पश्चात बकरी पालन को ध्यान देने योग्य बातो पर चर्चा शुरूवात हुआ था कि प्रशिक्षको के द्वारा बकरी पालन संबंधी सभी प्रतिभागीयो को बहुउपयोगी पशुपालन संबंध पुस्तक प्रदान कि गई।
14	**सिलाई प्रशिक्षण हेतु शैक्षणिक भ्रमण (खरोरा एवं रायपुर)**	01	महिला 15	छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना अंतर्गत गृहिणी स्वयं सेवी संस्था द्वारा **सिलाई कार्य हेतु** शैक्षणिक भ्रमण कार्य एवं साईट सेवर्स के सहयोग से दिनांक 15.08.2017 एक दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण का आयोजन किया गया इस प्रशिक्षण कार्यक्रम **सुमीत सिनफैब सेंटर रायपुर** दिया गया। जिसमें प्रशिक्षक सुमीत सिनफैब द्वारा स्वागत एवं प्रतिभागियो के परिचय से किया गया इस में ब्लाक सिमगा से प्रतिभागी शामिल हुए ततपश्चात समीत सिनफैब के मालिक द्वारा अलग अलग प्रकार के परदे, चादर, साडी, पेटीकोट, नाईटी, तकिये कवर विभिन्न प्रकार जानकारी लिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्धेश्य सभी महिला प्रशिक्षणार्थीयों की आय में बढ़ोतरी करना है। सिलाई से संबंधित सिलाई मशीन कि (उच्च कोटी के मोटर वाला मशीन) एवं चलाने के लिए मास्टर ट्रेनर द्वारा मशीन कि विशेष एवं विस्तृत जानकारी प्रदान कि गई। सिलाई व्यवसाय में उन्नत विकास के समय समय पर सिलाई संबंधी नये डिजाईन सीख कर कार्य करने के लिए जानकारी रखने कि सलाह दी गई। ततपश्चात तैयार कपडे के बेचने के लिए छोटे व बड़े बाजार कि जानकारी दिया गया तथा नजदीक के बाजार विक्रय हेतु चर्चा कि गई। इसके पश्चात सिलाई कार्य को ध्यान देने योग्य बातो पर चर्चा शुरूवात हुआ था कि प्रशिक्षको के द्वारा सिलाई संबंधी सभी **महिला प्रतिभागीयो** को बहुउपयोगी सिलाई कि डिजाईन के पुस्तक प्रदान कि गई।

15	**जागरूकता कार्यक्रम**	01	69 पुरूष 65 महिला कुल 134	छ.ग. सामाजिक सामावेशी परियोजना अंतर्गत गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईट सेवर्स के सहयोग से दिनांक 05.09.2017 एक दिवसीय **जागरूकता कार्यक्रम** का आयोजन ग्राम भरसेला नया जिला बलौदाबाजार में रखा गया जिसमें ग्राम के जनप्रतिनिधी व सभी ब्लाक के डीपीओ सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का प्रारंभ जिला बलौदाबाजार के ब्लाक समन्वयक ईश्वर छाटा जी द्वारा कार्यक्रम उपस्थित जनप्रतिनिधी व लोगो का स्वागत किया तथा परियोजना संबंधी एवं विकलांग जन अधिकार कि जानकारी दिया एवं संस्था के कार्यो का संक्षिप्त जानकारी दिया गया। तत्पश्चात जिला समवन्यक प्रणय जार्ज द्वारा परियोजना संबंधी जानकारी दिया। ब्लाक पलारी से ब्लाक समन्वयक थानेश्वर वर्मा ने खेल खेलाकर खेल के माध्यम से लोगो आगे बढ़ने कि प्रेरणा दी तथा विजय खिलाडियों को संस्था द्वारा पुरूस्कार वितरण किया। कार्यक्रम के समापन हेतु सिमगा ब्लाक समन्वयक तोमेश वर्मा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगो का आभार व्यक्त कर समापन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य विकलांग जन व बच्चों के पालकों में शिक्षा एवं योजनाओं के प्रति जानकारी बढ़ना एवं योजनाओं को प्राप्त करनें के लिए अपने बच्चों का सहयोग कर व विकलांग जनो व बच्चों को सुविधाओं मिलने में सरलता आयेगीं।
16	**स्ववकालत एवं शैक्षणिक भ्रमण**	01	29 पुरूष 13 महिला कुल 42	दिनांक 07.09.2017 को जिला बलौदाबाजार के ब्लाक स्तरीय डी.पी.ओ. संघ के द्वारा जिला स्तर के मुद्दे को लेकर जिला रायपुर के शासकीय विभाग के साथ स्व वकालत किया तथा उनको राज्य के शासकीय कार्यलय कि जानकारी संस्था द्वारा दी गई जिससे कि वह अपने ब्लाक स्तर के मद्दे को लेकर शासन के साथ स्ववकालत कर सके और अपना तथा और अन्य दिव्यांग साथी कि समस्याओ के निराकरण हेतु ब्लाक एवं जिला स्तर पर कार्य कर सके। इस शैक्षणिक भ्रमण में दिव्यांग साथी निम्न शासकीय कार्यलय कि जानकारी दी जिसमें समाज कल्याण विभाग, राज्य के मंत्रीयो का घर, विधानसभा,मुक्तांगन,नया रायपुर,सेवानिकेतन छेरीखेड़ी, एवं दिव्यांगा साथीयो को मॉ बंजारी धाम के दर्शन कराये गये । स्ववकालतः– दिव्यांग साथीयो के द्वारा स्ववकालत करते हुए जिला स्तर के मुद्दे को समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती रामशिला साहू ,एवं विधान सभ अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल को जिला एवं ब्लाक स्तर के परेशानियो से अवगत कराया गया। निम्न हैः– 1. ग्राम स्तर पर दिव्यांग साथीयो का युनिक

				कार्ड बनाया जाये। 2. सभी शासकीय भवनो का बाधारहित बनाया जाये जिससे दिव्यांगो को कोई परेषनी न हो सके। 3. दिव्यांग स्व सहायता समूह को एन.आर.एल. एम. योजना से जोडा जाये। 4. बैटरी चलित ट्राईसायकल मे लगे खराब बैटरी को बदला जाये। 5. जिन दिव्यांगो को बैटरी चलित ट्राईसायकल के नाम आया पिछले 1 वर्ष से नही मिला है अतः अनको तत्काल बैटरी चलित ट्राईसायकल प्रदान किया जाये। 6. स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिव्यांगो का रेल पास का मुल प्रति प्रदान करे । 7. दिव्यांग को प्राप्त बस पास को बस कंडक्टर के द्वारा कभी कभी छुट नही दिया जाता जिसके कारण उनको बस पास का लाभ नही मिल पा रहा है। 8. सभी पात्र दिव्यांग साथी को 10 कि.राषन हेतु कार्ड दिया जाये। 9. शिक्षित दिव्यांग साथी हेतु उनके कौशल में विकास करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाये। 10. श्रम विभाग द्वारा दिव्यांग साथी का श्रमिक कार्ड नही बनाया जिसके कारण दिव्यांग साथी को परेशानियो सामना करना पड़ रहा है।
17	**विश्व दृष्टि दिवस कार्यशाला**	01	41 पुरूष 22 महिला कुल 63	विश्व दृष्टि दिवस पर दिनांक 12.10.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिव्यांग साथीयो के लिए निःशुल्क नेत्र जांच कार्यशाला आयोजन सुचना केन्द्र बलौदाबाजार मे रख गया जिसमें जिला बलौदाबाजार के चार ब्लाक सिमगा,पलारी ,बलौदाबाजार,एवं भाटापारा के दिव्यांग साथी का नेत्र जांच किया गया इस कार्यषाला में डॉ. के.के.कश्यप आई स्पेशलिस्ट एवं उनके दो सहयोगी रेखा कश्यप, व सुमन श्रीवास्तव जी थे। कार्यशाला के दौरान डॉ. सर के द्वारा नेत्र सुरक्षा से जुडी जानकारी दिव्यांगो को दी तथा चोट लगने पर क्या सावधानी रखनी चाहिए तथा जिनका उम्र 40 के पार हो जाए उनको प्रति वर्ष नेत्र जांच कराने कि जानकारी दी। रेखा जी एवं सुमन जी के द्वारा भोजन से जुड़ी जानकारी दी गई तथा हरी सब्जी एवं पीले रंग के फल खाने के जानकारी दी एवं उनके द्वारा बताया गया कि इन सब्जी एवं फल में विटामिन ए की मात्रा अधिक होती है। जो कि ऑख कि रोषनी बढ़ाने में सहायक है।

				रोग ग्रसित लोगो को निम्न सावधानी बरतने कि सलाह दिया गया। 1. चोट लगने पर नेत्र विषेषज्ञ से ही ऑखो कि जॉच कराने को कहॉ गया। 2. टी.बी. एवं शुगर ,एव ंबी.पी. से ग्रसित लोगो को नियमित ऑख कि जांच करानी चाहिए। 3. नियमित योगा करना चाहिए। 4. ऑखो को साफ व स्वच्छ पानी से धोना चाहिए।
18	**जिला स्तरीय दिव्यांग संघ का जागरूकता कार्यशाला**	01	184 पुरूष 51 महिला कुल 235	दिनांक 25.10.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास के जिला बलौदाबाजार के जिलास्तर जन मानव कल्याण संघ एवं ब्लाक भाटापारा के जनशक्ति दिव्यांग संघ के संयुक्त सहयोग से ब्लाक भाटापारा के दिव्यांग साथीयो मे जागरूकता लाने के लिए जागरूकता कार्यशाला रखा गया जिसमे समाज कल्याण विभाग के सुश्री बीना दीक्षित एवं ब्लाक भाटापारा के पंचायत इंस्पेक्टर पी.एन.कष्यप गृहिणी संस्था अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव और जिला के दिव्यांग साथी एवं दिव्यांग साथी के परिवार के सदस्य षामिल हुए। इस कार्यशाला का मुख्य उद्धेष्य ब्लाक भाटापारा के सभी दिव्यांग साथी को संस्था का उद्धेष्य तथा शासन कि योजनाओ कि जानकारी प्रदान करना है जिसमें दिव्यांग अपना अधिकार स्वयं के प्रयास से ले सके। समाज कल्याण विभाग से बीना दीक्षित के द्वारा शासन कि योजनो कि जानकारी दी गई तथा दिव्यांग को किस प्रकार से अपना अधिकार प्राप्त कर सकते है। इसकी जानकारी दिया गया।
19	**रायपुर गोइंग पिंक मैराथन (मुकबधिर बालिकाओं हेतु)**	01	कुल 20	जिला बलौदाबाजार के चारो ब्लाक सिमगा, पलारी, बलौदाबाजार, एवं भाटापारा से 20 चयनित मुक बधिर बालिकाओ का दिनांक 19.11.2017 रायपुर में मुकबधिर रायपुर गोइग पिंक मैराथन दौड मे भाग लिया जिसमें 11 श्रवण बाधित ,07 मुकबधिर कुल 18 लडकियो ने भाग लिया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेष्य यह था कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर , फेफड़ा कैंसर के प्रति जागरूक करना है। मैराथन दौड़ (श्रेणी 03 किमी. 21किमी.) 03 श्रेणी संस्था द्वारा चयनित 20 प्रतिभागी में से 03 प्रतिभागी ने उत्कृठ प्रदर्षन करते हुए कु. दुर्गा प्रथम, कु. चन्द्रकली द्वितीय, कु.रूखमणी एवं कु. वैषाली ने संयुक्त तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्था को गौरान्वित किया।
20	**समाज कल्याण विभाग एवं दिव्यांग संघ के साथ जिलास्तर पर संयुक्त**	01	29 पुरूष 7 महिला कुल 36	दिनांक 17.11.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास के जिला बलौदाबाजार सुचना केन्द्र में समाज कल्याण विभाग एव्र जिला स्तरीय डी.पी.ओ.

	कार्यशाला			के साथ जिला स्तरीय प्रोगरेस रिर्पोट कार्यशाला का आयोजन रखा गया जिसमें जिला के चार ब्लाक पलारी, सिमगा, बलौदाबाजार एवं भाटापारा के डी.पी. ओ. के कार्यो को समाज कल्याण विभाग कि डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रितु वर्मा जी के समक्ष ब्लाक स्तरीय प्रोगरेस की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से दी गई कार्यशाला के दौरान डिप्टी कलेक्टर महोदया ने डी.पी. ओ के कार्यो का सराहना कि साथ ही उन्होने ने दिव्यांगो के अधिकार का जानकारी दिया। डी.पी.ओ के द्वारा जिलास्तर कि निम्न समस्याओ की जानकारी दी– 1. श्रमिक कार्ड हेतु 2. बैटरी चलित ट्रायसायकल जरूरत मद दिव्यांग को प्रदान करे । 3. दिव्यांगो हेतु हरा राशन कार्ड प्रदान करना। 4. रेल पास एवं बस पास (आर.टी.ओ. विभाग को सुचना देने हेतू) 5. दिव्यांगो हेतु प्रधानमंत्री मुद्रा लोन प्रदान करना। 6. मुकबधिर एवं मानसिक मंदता के पीड़ित दिव्यांग का जिला स्तर पर मेडिकल सर्टिफिकेट प्रदान करना। 7. दिव्यांग एवं उम्र दराज व्यकित के लिए बाधामुक्त वातावरण अस्पताल स्कुल ,बैक बनाई जाये। इसके पष्चात रितु मैडम को जिला स्तर के दिव्यांगो का व्यक्ति गत एवं सामुहिक आजिविका के तहत चल रहे कार्यो के जानकारी दिया।
21	**महिला स्वास्थ्य पर इंघन का प्रभाव**	01	महिला 20	गृहिणी संस्था एवं IRADe नई दिल्ली ,नाबार्ड के साथ मिलकर जिला बलौदाबाजार, रायपुर, गरियाबंद जिले के ब्लाक एवं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में जिला बलौदाबाजार के ब्लाक बलौदाबाजार 100 ग्रामीण एवं शहरी महिला परिवार का सर्वे किया गया। जिला रायपुर के शहरी क्षेत्र एवं तिल्दा , धरसींवा, आरंग ब्लाक एवं जिला गरियाबंद के राजिम, अभनपुर, फिंगेश्वर ब्लाक से 510 ग्रामीण एवं शहरी महिला परिवार का सर्वे किया गया। इस बेस लाईन सर्वे का मुख्य उद्धेश्य यह था कि ग्रामीण एवं शहरी महिला का इंधन उपयोगिता एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। बेस लाईन सर्वे के द्वारा निम्न बिन्दु पर चर्चा कि गई। 1. प्राथमिक घरेलु इंधन का उपयोग क्या है। 2. घरेलु इंधन का संग्रह किया या खरीदा गया है। 3. एल.पी.जी. या इंडक्शन कुकर का उपयोग किया जा रहा है या नही।

				4. एल.पी.जी. प्राप्त हुआ है वह तो क्या पुनः भराने में सक्षम है या नही। 5. सस्ता इंधन के रूप में किसे चुना जाना चाहिए। 6. खाना बनाने वाली महिला का परंपरागत इंधन इंडक्शन एवं एल.पी.जी. में कौन सबसे अच्छा इंधन है। 7. परंपरागत इंधन, इंडक्शन एवं एल.पी.जी. के उपयोग से खाना बनाने वाली महिला स्वास्थ्य एवं समय पर क्या प्रभाव पड़ता है। 8. आधुनिक इंधन इंडक्शन एवं एल.पी.जी. के उपयोग से बाद बचत समय का आय अर्जक गतिविधि मे बढ़ोतरी करना। गृहिणी संस्था एवं IRADe , नाबार्ड, एवं प्रेस्टिज के संयुक्त प्रयास से जिला रायुपर एवं बलौदाबाजार के 20 महिला परिवार को इंडक्शन कुकर वितरण किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य ग्रामीण महिला को खाना पकाने की आधुनिक सुविधा से जोड़ना उनके स्वास्थय एवं घरेलु इंधन के खपत को कम कर पर्यावरण एवं धुए से होने वाली बिमारी से बचा जा सके। कार्यक्रम के द्वारा महिलाओं को इंडक्शन कुकर का प्रयोग करना सिखाया गया एवं बिजली का खर्च एवं एल.पी.जी. तथा परंपरागत इंधन का खर्च में अंतर बताया गया । संस्था द्वारा बलौदाबाजार, रायपुर, गरियाबंद के कुल 610 परिवार का पूर्व में बेस लाईन सर्वे किया गया था।
22	**अगरबत्ती प्रशिक्षण**	01	16 पुरूष 16 महिला कुल 32	दिनांक 01.11.2017 से 05.11.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से जिला के दो ब्लाक के पलारी एवं सिमगा के दो स्वसहायता समुह को अगरबत्ती प्रशिक्षण दिया गया यह पॉच दिवसीय प्रशिक्षण दिया का मुख्य उद्धेष्य यह था कि दिव्यांग समुह सामुहिक रूप से आजिविका बढ़ाना है। यह प्रषिक्षण कार्य महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में दिया गया इसमे प्रशिक्षक सत्येन्द्र सिन्हा जी थे इन्होने दिव्यांगो को अगरबत्ती बनाने कि विस्तृत जानकारी दिया एवं हाथ तथा मशीन से अगरबत्ती बनाने की विधि बताया और तथा अगरबत्ती में सेंट डालने कि विधि बताया गया अगरबत्ती कि मार्केटिग करना साथ ही साथ पैकिंग करना सिखाया गया ।
23	**जुडो प्रशिक्षण**	01	6 पुरूष 14 महिला कुल 20	गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास जिला के दृष्टिबाधित , अल्प दृष्टि एवं मुकबधिर लड़के व लड़कियो को जूड़ो प्रषिक्षण दिया गया इस कार्यक्रम पुरूष 6 महिला 14 कुल 20 प्रतिभागी थे एवं प्रशिक्षक श्री शेख समीर जी पैराजूडो संघ एवं सहयोगी आषा

				कुमारी जी थे प्रषिक्षण का मुख्य उद्धेश्य यह था दिव्यांगो के उत्साह रितु जैन द्वारा लड़कीयो को उत्साहित करने के लिए जूडो खेल से जुडी जानकारी दिया। सी. एस. आर. से एवं कल्पतरू अध्यक्ष ने जुडो खेल को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर संस्था का प्रयास को सही दिशा मे ंले जाने हेतु प्रयास रत रहे। इस कार्यक्रम का समापन 02.12.2017 के विश्व दिव्यांग दिवस के पूर्व दिवस पर ग्रामीण विकास केन्द्र हिरमी में किया गया जिसमे सी. एस. आर.एवं शासकीय कर्मचारी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम से हो रही दिव्यांग साथीयो के जुडो एवं आत्मरक्षा के तहत लाभ पर प्रकाश डाला एवं उन सभी दिव्यांग साथीयो के मन से अपने अंदर के कमजोरी को दूर करने के प्रयास को सरहाना कि गई। संस्था अध्यक्ष के द्वारा विशेष रूप से लड़की दिव्यांग साथी के खेल के प्रति रूचि को सरहाना दी जिससे दिव्यांग साथी पैरालिपिक खेल के लिए दिव्यांगो को तैयार करना है जिससे अपना एवं संस्था का नाम रोशन कर सके ततपश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।
24	**शासकीय कर्मचारी , दिव्यांग संघ सक्रिय समुह सदस्यों के साथ RPWD Act 2016 पर कार्यशाला**	1	26 पुरूष 7 महिला कुल 33	दिनांक 15.12.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास के जिला बलौदाबाजार हॉटल द पार्क प्लाजा में शासकीय विभाग एव जिला स्तरीय डी. पी.ओ. एवं सक्रिय दिव्यांग समुहो के साथ जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रखा गया जिसमें जिला के चार ब्लाक पलारी, सिमगा, बलौदाबाजार एवं भाटापारा के डी.पी.ओ. एवं ग्राम स्तर सभी दिव्यांग समूह साथी उपस्थित थे कार्यशाला के दौरान श्रीमती रजनी सोरेन हाई कोर्ट वकील के द्वारा कार्यशाला का मुख्य उद्धेश्य यह था कि दिव्यांग साथीयो को अधिकार एवं सूचना की जानकारी दिया– जिसमे दिव्यांग अधिकार ,डी.पी.ओ. लीडर ,दिव्यांग समूह, RPWD Act 2016 एवं महिला एवं बाल दिव्यांग सुरक्षा व अधिकार, शिक्षा के अधिकार , दिव्यांग क्षमता विकास एवं समाजिक सुरक्षा ,मुक्त शिक्षा की जानकारी, जागरूकता कार्यक्रम , बाधा मुक्त परिवहन,बाधामुक्त पर जानकारी दिया गया।
25	**राज्यस्तरीय छत्तीसगढ़ विकलांग मंच के साथ साझा कार्यशाला**	01	16 पुरूष 4 महिला कुल 20	गृहिणी संस्था ,साईटसेवर्स एवं छत्तीसगढ़ विकलांग मंच एवं जन मानव विकलांग के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 18.12.2017 को जेवियर इंस्टीटुयट रायपुर में किया गया इस बैठक में बलौदाबाजार, रायपुर, धमतरी, कांकेर, कोण्डागांव, दुर्ग, बालोद, के 7 जिले के 16 पुरूष एवं 4 महिला कुल 20 प्रतिनिधियो ने भागीदारी की इस कार्यशाला में गृहिणी कार्यकर्ता द्वारा संस्था का परिचय एवं संक्षिप्त जानकारी दिया गया छ.ग. विकलांग मंच अध्यक्ष

				अनिता यादव ने विकलांग मच के कार्यो के एवं सभी उपस्थित 7 जिले के अध्यक्ष से जिले के कार्यो की जानकारी लिया। इस कार्यक्रम के दौरान विकलांग मंच और सभी संघो ने मिलकर कार्य करने की योजना बनाई। कार्ययोजना में महत्वपूर्ण बिन्दु सभी विकलांग योजना को ध्यान में रखते हुए समाज कल्याण विभाग मंत्री को समास्याओं को अवगत करने अपने जिलों के कलेक्टरो को ज्ञापन सौपने और अपने ब्लाक के मुख्य कार्यपालन को योजनाओं में जो समस्याएँ आ रही है हल करने के लिए बाध्य करने की बात कहीं गई। 1. विकलांग योजना में बी.पी.एल. की बाध्यता समाप्त करने। 2. बस पास सभी जिले में लागू करने । 3. पेंशन की राशि 350 से 1000 रूप्ए करने । 4. सरकारी नौकरी में 6 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य रूप से पालन करना। 5. ऋण लेने की सुविधा में सरलता लानें एवं गारेण्टर की अनिवार्यता समाप्त करना इन सभी मुद्दो पर मुख्समंत्रीा को धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन देने की बात कही गई।
26	**एन.आर.एल.एम. सक्रिय महिला एवं दिव्यांग समूह का कार्यशाला**	01	5 पुरूष 130 महिला कुल 135	दिनांक 30.12.2017 को गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से ब्लाक सिमगा एन.आर.एल.एम विभाग ,सक्रिय महिला एवं दिव्यांग समूह उपस्थित थे इस कार्यशाला में 5 पुरूष सदस्य एवं 130 महिला कुल 135 सदस्य उपस्थित रहे यह कार्यक्रम हथबंद के बिहान कलस्टर आयोजन किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्धेश्य ब्लाक के दिव्यांग समूह को एन.आर.एल. एम. से जोड़ना जिसमें ब्लाक के 32 ग्रामो के सक्रिय महिलाएं एवं दिव्यांगो के पूर्व गठित समूहो को एन. आर.एल.एम. से जोड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से शसक्त कर उनकी आजिविका सुनिश्चित करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई साथ ही दिव्यांगो को बिहान के नियम व शर्तो से अवगत कराते हुए ग्राम संगठन व कलस्टर के अनुदेशो का पालन व बिहान से मिलने वाले बजट का आवश्यक कार्यो में उपयोग करना बताया गया।
27	**6वां दृष्टिबाधित /मुकबधिर पैरालिम्पिक जूड़ो प्रतियोगिता**	01	3 पुरूष 6 महिला कुल 9	दिनांक 01.02.2018 से 05.02.2018 बलौदाबाजार जिला के दिव्यांग ने अपने इरादों में जीत का सिलसिला रखने वाली दृष्टीबाधित दिव्यांगो ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए 01.02.2018 से 05.02.2018 तक लखनाउ में आयोजित 6 वां राष्ट्रीय पैरालिम्पिक जूडो प्रतियोगिता में अपनें उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जो कि निम्न है– कु. शकुंतला नें 78 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग में कांस्य पदक, मालती नें 57 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग में कांस्य पदक, कु. मंजुला 48 कि.ग्रा. सीनियर वर्ग में कांस्य

				पदक व चैती ध्रुव ने 40 कि.ग्रा. जुनियर वर्ग में रजत पदक, उर्मिला ने 40 कि.ग्रा. जुनियर वर्ग में कास्य पदक प्राप्त कर अपने आत्मविश्वास से सफलताओं का गगन छुकर जीत का बिगुल बजाया। इसके पूर्व इन बालिकाओं ने 28 नवम्बर से 02 दिसम्बर 2017 को गृहिणी संस्था द्वारा में आयोजित जूडो प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य स्तरीय छ.ग. ब्लाइन्ड एव ं पैरा जूडो प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दिव्यांगों को कमजोर समझने वालों की मानसिकता ही बदल डाली और राष्ट्रीय पैरालिम्पिक जूडो प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर अपना स्थान बनाया था। इस प्रतियोगिता में 18 राज्यों के जूडो खिलाड़ियों ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया। विजेताओं के सम्मान के लिए गृहिणी संस्था के समस्त कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बैंड बाजे के साथ स्वागत व सम्मान तिल्दा स्टेशन में किया गया । संस्था अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव ने बताया की इन बालिकाओं को संस्था द्वारा सशक्त नेत्र/ जूडो प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, यह गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एव ं साईटसेवर्स द्वारा दिव्यांग साथियों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने ंके लगातार प्रयास का ही परिणाम है।
28	**हाफ मैराथन में बलौदाबाजार जिले के दिव्यांगों ने दिखाया अपना जौहर**	01	28 पुरूष 15 महिला कुल 43	11 फरवरी 2018 को रायपुर में आयोजित हाफ मैराथन में बलौदाबाजार जिले से 43 दिव्यांगजनों की भागीदारी रही जिसमें गृहिणी संस्था के माध्यम से इन दिव्यांग साथियों का दिव्यांग संघ के प्रशिक्षित लीडरो द्वारा आनलाइन पंजीयन कराया गया एवं संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव ने दिव्यांग साथियों को विजयी हेतु शुभकॉमना दी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित हाफ मैराथन में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह अंजु बॉबी जार्ज, और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित धावक श्री परमजीत सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। साथी पूरे जोश के साथ सभी खिलाड़ीयों का उत्साह वर्धन करते हुए हरी झंडी दिखाई जिसमें दिव्यांगो ने अपने जौहर का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंदियों से आगे निकलने दौड़ पड़े। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में देश और विदेश से सभी उम्र वर्ग के प्रतिभागी षामिल हुए थे। बलौदाबाजार जिले के चार ब्लाक सिमगा, बलौदाबाजार, पलारी, एवं भाटापारा से संघ के लीड़रो के माध्यम दिव्यांग का पंजीयन कि जानकारी एवं पंजीयन कराया गया। जिसमें दिव्यांग साथियो के प्रतिभागियों का परिणाम– उर्मिला वर्मा, अल्पदृश्टि महिला वर्ग 1 कि.मी. दौड़ में 3रा सीन जागेश्वरी वर्मा, अल्पदृश्टि महिला वर्ग 1 कि.मी. दौड़ में 10वां सीन

				राजेश कुमार, अस्थिबाधित, महिला वर्ग 2 कि.मी. दौड़ में 4था स्थान गायत्री यदु, अस्थिबाधित, महिला वर्ग 2 कि.मी. दौड़ में 5वां स्थान संतोष कुमार, अस्थिबाधित, महिला वर्ग 2 कि.मी. दौड़ में 6वां स्थान इस खेल के माध्यम से दिव्यांगो ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर लोगो को बताया 22 कवह भी गैर दिव्यांगो से खेल में कम नही है। गृहिणी संस्था दिव्यांगजनों के शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, एवं सामाजिक समावेशिता के अतिरिक्त खेल जगत में भी उनके विकास हेतु सतत् प्रयासरत है।
29	**दिव्यांग संघ के लीड़रो का लीडरशीप प्रशिक्षण**	01	13 पुरूष 4 महिला कुल 17	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत दिव्यांग संघ के लीड़रो का चयनित दिब्यांगजनों का लीडरशीप विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद, हिरमी में दिनांक 29.03.2018 से 30.03.2018 को आयोजित की गई। जिसमें बलौदाबाजार जिले के चार दिब्यांग संघ से 3 महिला एवं 14पुरुषों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समूह गठन एवं उनके लाभ एवं आर. पी. डब्लू.डी. एक्ट एवं दिव्यांगो सरकार द्वारा सतत् विकास के लक्ष्यो के बारे में बताया गया। छत्तीसगढ़ विकलांग मंच से प्रशिक्षक श्रीमान ईश्वर प्रसाद छाटा जी द्वारा प्रशिक्षणार्थी द्वारा निःशक्तजनों के समूह गठन करना, समूह बनाने के फायदे, कानूनी जानकारी, अधिकारों व स्वयं से पैरवी करने के क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण दिया गया। निःशक्तजनों को शासकीय योजनों से जोडने हेतु कौन–कौन से अनिवार्य दस्तावेजों की जरुरत होती है, उस संदर्भ में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षक द्वारा सभी निःशक्तजनों का आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना बनाई गई, जिसमें उनसे लौटकर प्रमुख कार्य पहले गांव से निःशक्त का समूह बनाना, लीडर का चुनाव करना, नियमित बैठक लेना आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक द्वारा दिब्यांगजनों को शासकीय योजनाओं के लाभ लेने एवं उनके लिए बनाये गये विभिन्न अधिनियमों के बारे में भी विस्तार से बताये गये। दिब्यांगजनों को शासकीय नौकरी एवं स्वयं का व्यवसाय से जुड़ने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया, जिनसे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सके और समाज में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सके। साथ ही उन्होने गठित समूहों को भविष्य में बड़े स्तर पर कोआपरेटिव तैयार कर स्वयं का व्यवसाय एवं आवश्यकता पूर्ति कर सके, इसके लिए उन्हें अन्य पर आश्रित होने की आवश्यकता नही होगी।

30	**18वां पैरालिम्पिक एथलेटिक्स खेल**	01	01 पुरूष 01 महिला कुल 2	छत्तीसगढ़ से 29 खिलाड़ीयो में से गृहिणी संस्था द्वारा बलौदाबाजार जिले के दिव्यांग 2 दिव्यांग साथियों ने पैरालिंम्पिक खेल में भाग लिया ,खेल की दुनिया में लगातार जीत हासिल कर अपना पहचान बनाया है। दिनॉक 24 एवं 29 मार्च 2018 को पैरा स्पोट्र्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय द्वारा ताऊ देवीलाल स्टेडियम पंचकुला मे भागीदारी किया इस खेल में देश के सभी राज्यो के खिलाड़ियो न भागीदारी कि इस खेल के माध्यम से इस खेल का शुभारंभ 24 मार्च को हुआ जिसमें समस्त राज्यों को हुआ जिसमें समस्त राज्यों के खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट कर नारे लगाते हुए बढ़ते गये कार्यक्रम के शुभांरभ की अतिथि वहां के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खटटर , केन्द्रीय मंत्री इन्द्रजीत सिह एवं पैरालिम्पिक कमेटी आफ इंडिया व पैरा एसोसिएशन आफ हरियाण के प्रधान। इस खेल कार्यक्रम संस्था के दो दृष्टिबाधित दिव्यांगो ने भाग लिया इन दोनो खिलाड़ियो ने अलग–अलग खेलो में भागीदारी किया नेहरू वर्मा को टी–11 एवं उर्मिला यादव को टी–13 कैटिगरी में रखा गया उर्मिला यादव ने 100 मीटर में रजत पदक एवं 400मीटर दौड में कास्य पदक प्राप्त हुआ है। इस कार्यक्रम में दिव्यांग साथियों को खेल हेतु प्रोत्साहित एवं भागीदारी सुनिश्चित करने में गृहिणी संस्था के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।
31	**समाजिक समावेशी परियोजना (व्ही. एस. ओ. इंडिया)**	01	पुरूष 1011 महिला 1706 कुल 2717	**गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, हिरमी एवं व्ही. एस. ओ. इंडिया** के सहयोग से संचालित सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत दिनांक 01.01.2018 से 31.03.2018 तक जिला रायपुर के विकासखण्ड़ तिल्दा में दिव्यांग साथियो को जागरूक करने एवं उनके अधिकार के लिए प्रेरित करने के लिए गृहिणी संस्था एवं व्ही.एस. ओ. इंडिया द्वारा तिल्दा ब्लाक के 63 ग्राम में बेस लाईन सर्वेकर तथा 60 ग्राम में दिव्यांग महोत्सव कार्यक्रम करके दिव्यांग साथी एवं गैर दिव्यांग साथी को दिव्यांग हक एवं अधिकार की जानकारी दिया गया कार्यक्रम में जनपद सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, सचिव, पंच एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, एवं सक्रिय महिला तथा ग्राम प्रमुख ने अपना सहयोग प्रदान किया। दिव्यांग साथी पुरूष 462, महिला 228 कुल 690 तथा गैर दिव्यांग पुरूष 549, महिला 1478 कुल 2027 लोगो ने बड़ी मात्रा में उपस्थित होकर अपना सहयोग प्रदान दिया कार्यक्रम के दौरान लोगो को खेल के माध्यम से जागरूक करना एवं दिये हुए जानकारी को प्रश्नोत्तरी के माध्यम सवाल कर जानकारी लेना जैसे पेंशन, राशन कार्ड, रेल पांस, बस पास, विवाह प्रोत्साहन राशि, मनरेगा कार्ड, ऋण, सहायक उपकरण, प्रधानमंत्री आवास, विकलांग प्रमाण

				पत्र इत्यादि है। इस दिव्यांग महोत्सव में संस्था कार्यकर्ताओ के द्वारा दिव्यांगो की योजनाओ का फार्म भरा गया जिसमें पुरूष 397, महिला 197 कुल 596 योजनाओ एवं अधिकार हेतु फार्म भरा गया जिसमें पुरूष 12 , महिला 8, कुल 20 दिव्यांग को लाभ प्राप्त हुआ।

उपलब्धिः–

क्रमॉक	**योजनाएँ**	**उपलब्धि 2017–18**
1	विकलांगता प्रमाण पत्र	731
2	पेंशन	58
3	रेल पास	9
4	बस पास	60
5	सहायक उपकरण	437
6	इंदिराआवास प्राप्त	29
7	नया समूह निर्माण	60
8	नये समूह सदस्य	779
9	समूह सदस्यो की बैठक सदस्य की संख्या	2683
10	स्व रोजगार से दिव्यांग	55
11	व्यक्तिगत बैंक खाता खुला	305

फोटो गैलरी

सिलाई प्रशिक्षण

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक का सम्मान

युवक युवती परिचय सम्मेलन

दिव्यांग साथी को मिला दैनिक कौशल विकास प्रशिक्षण

लोक सुराज अभियान

ब्लाक स्तरीय संघ का गठन

बकरी एवं मुर्गी पालन प्रशिक्षण

जूडो खेल प्रशिक्षण बिलासपुर

व्यवसायिक विकास प्रशिक्षण

लीडरशीप प्रशिक्षण एवं समूह संवर्धन

छ.ग. विकलांग मंच के साथ साझा कार्यशाला

बकरी पालन (शैक्षणिक भ्रमण)

सिलाई प्रशिक्षण (शैक्षणिक भ्रमण)

जागरूकता कार्यक्रम

स्ववकालत एवं शैक्षणिक भ्रमण

विश्व दृष्टि दिवस कार्यशाला

जिला स्तरीय दिव्यांग संघ का जागरूकता कार्यशाला

रायपुर गोइंग पिंक मैराथन (मुकबधिर लड़कियो हेतु)

समाज कल्याण विभाग एवं डी.पी.ओ. के साथ संयुक्त कार्यशाला

महिला स्वास्थ्य पर इंधन का प्रभाव

अगरबत्ती प्रशिक्षण

जुड़ो प्रशिक्षण

समाज कल्याण विभाग के साथ आर.पी.डब्लू. एक्ट 2016 कार्यशाला

राज्यस्तरीय छत्तीसगढ़ विकलांग मंच के साथ साझा कार्यशाला

एन.आर.एल.एम. दिव्यांग समूह एवं सक्रिय महिला के साथ कार्यशाला

6 वां दृष्टिबाधित /मुकबधिर पैरालिम्पिक जूड़ो प्रतियोगिता

हाफ मैराथन में बलौदाबाजार जिले के दिव्यांगों ने दिखाया अपना जौहर

दिव्यांग संघ के लीड़रो का लीडरशीप प्रशिक्षण

18 वां पैरालिम्पिक एथलेटिक्स खेल

समाजिक समावेशी परियोजना (व्ही. एस.ओ. इंडिया)

–: सफलता की कहानी :–

सफलता की कहानी 01

सोना बाई निराला / पिता स्व. श्री भकला निराला ,

उम्र – 26 , शिक्षा – बी.ए. फाइनल अध्ययनरत

पता – ग्राम डोटोपार , विकासखण्ड बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– सोना बाई निराला का परिवार जो कि एक निम्न आर्थिक स्थिति में जीवन यापन करता था। सोना बाई निराला अपनी मॉ , दो भाई और एक बहन है। एक भाई का विवाह हो चुका है , सोना दुसरे नम्बर की है उसके बाद एक भाई जो पढ़ाई के साथ काम भी करता है। एक भाई अपनें परिवार के साथ गॉव से बाहर जाकर काम करता है वह बाहर में अपनें परिवार के साथ जीवन यापन कर रहा है। उसकी मॉ घर पर ही रहती है और घर का ही काम कर पाती है। घर पर एक एकड़ खेत है और छोटा सा जनरल किरानें का स्टोर्स के दूकान के साथ अपने परिवार का भरण पोषण कर जिंदगी यापन कर रहें है। उन्हें शासन के पेंशन योजना के अलावा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– सोना निराला जो कि शासन की योजना के बारें में थोड़ी बहुत जानकारी था। उन्हें गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एवं शासन की योजनओं एवं दिव्यांगों के अधिकारों के बारें में जानकारी दिया गया , सोना निराला को संस्था के सहयोग से जागरूकता प्रशिक्षण, नेत्रीत्व प्रशिक्षण एवं विकासखण्ड स्तरीय बैठक में लगातार सम्मिलित हो कर अपना व्यक्तिव एवं समुह के बारें में जानकारी प्राप्त किया। लगातार संस्था के संपर्क में रहनें एवं अच्छे कार्य करनें के कारण आज सोना निराला जो कि विकासखण्ड बलौदाबाजार के संघ का सचिव चुना गया है एवं जिला स्तर पर उपाध्यक्ष चुनी गयी है। एवं अपनें ग्राम के समुह एवं संघ का संचालन बहुत ही अच्छी तरह से कर रहें है। संस्था के सहयोग से उसे लीडर शीप ट्रेनिंग हेतु भोपाल भेजा गया जिसके बाद सोना बाई निराला अपने कार्य क्षेत्र में बहुत ही अच्छे से कार्य कर रहीं है और

आज मास्टर ट्रेनर के रूप कार्य कर रही है। संस्था के इस कार्य से बहुत ही खश है और अपनें कार्य के साथ दिव्यांग संगठन को भी सहयोग प्रदान करतें है एवं समय समय में संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भागीदारी करतें रहतें है।

सफलता की कहानी 02

अमीना बानो / पिता श्री मोइनुददीन

माता राबीया बानो

उम्र – 26 , शिक्षा – 12 वी पास

पता – ग्राम नगर पंचा.सिमगा , विकासखण्ड– सिमगा

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 50 प्रतिशत

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– अमीना बानो मुसलमान परिवार कि एक गरीब लड़की है जिनके आजिविका का साधन एक छोटा सा ठेला और मॉ चुडी बेचने का काम करती थी जिससे उनको पर्याप्त आय नही मिल पाता ऐसे मे अमीना कि पढाई प्रभावित हो रहा था अमीना आस पास काम व मजदुरी करके 12 वी तक कि पढ़ाई पुरी की और अपने घर के कामो मे हाथ बटाने लगी इसी बीच अचानक उनके माताजी का निधन हो गया तब अमीना पुरी तरह से टुट गई थी उनके सामने काम करने के अलावा और कोई रास्ता नही था किन्तु दिव्यांगता के कारण उनको ज्यादा आमदानी नही मिल पाता था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– उन्हे गृहिणी संस्था कार्यकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास के तहत् कम्प्युटर प्रषिक्षण कि जानकारी दिया गया। एवं सिमगा में ही वर्धमान कम्प्युटर में उन्होने तुरंत प्रशिक्षण हेतु एडमिषन ले ली 6 माह डाटा एंट्री आपरेटर प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पास करने के पश्चात वर्तमान में आपरेटर के पद पर कार्यरत है और प्रतिमाह 3000 रूपये वेतन से अपने पिता को आर्थिक सहयोग कर रही है।

अब अमीना के हौसले बुलंद आगे वह कम्प्युटर के क्षेत्र में बढ़ना चाहती है।

सफलता की कहानी 03

जवंतीन साहू/पिता स्व. देवचरण साहू

उम्र – 34 , शिक्षा – 12 वी पास

पता – ग्राम मोपर , विकासखण्ड– भाटापारा

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित, परिवार – मॉ और बेटी

व्यवसाय– सिलाई कार्य (2015)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– जांवतीन साहु एक अस्थि बाधित दिव्यांग तलाकशुदा और गरीब परिवार में जीवन यापन करती है ये अपनी मॉ और बेटी के साथ रहती है। और गॉव की गैर विकलांग समूह से जुड़ी हुई है। जावंतीन साहू जी पहले सिलाई कार्य छोटे स्तर करती थी।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– जब गृहिणी संस्था के माध्यम से छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना के तहत् बेसलाईन सर्वे 13.02.2017 को किया गया इनकी यथो स्थिति

जानकारी लेकर उनकी इच्छानुसार उन्हे गृहिणी संस्था के द्वारा उन्नत सिलाई प्रशिक्षण दिलाया गया आज जावंतीन साहू जी अपने घर में सिलाई सेंटर खोलने मकान बनवा रही है, साथ में वह नये डिजाईन के ब्लाऊज सिलाई कर प्रतिदिन 80 से 90 रू. कमाई कर अपने परिवार का आजिविका चलाती है।

सफलता की कहानी 04

लेखराम साहू/पिता बिहारी राम साहू

उम्र – 32 , शिक्षा – 11 वी पास

पता – ग्राम सरसेनी , विकासखण्ड पलारी

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित

व्यवसाय– मुर्गी दुकान (चिकन सेंटर) ,सिलाई कार्य

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– लेखराम साहू पिता बिहारी राम साहू ग्राम सरासेनी ब्लाक पलारी जिला– बलौदाबाजार में एक गरीब परिवार से संबंध रखता है जो कि एक पैर से अस्थि बाधित दिव्यांग है।

चुकि वे जसे दिव्यांग है इन्होने प्राथमिक स्तर की पढ़ाई ग्राम के ही शासकीय स्कुल में शिक्षा ग्रहण किया एवं पूर्व माध्य. व हायर सेकेण्ड्री कि षिक्षा अपने ग्राम से 03 कि.मी. दूरी ग्राम गुमा में पढ़ाई पुरी की वे 11 वी तक की पढ़ाई कर पाया। अपने परिवार में 02 भाई एवं 1 बहन तथा माता पिता के साथ संयुक्त परिवार में रहते है उनका परिवार कृषि मजदुरी पर निर्भर है। लेखराम साहू पैर से सिलाई कार्य करता है चुंकि गांव में अन्य और टेलर्स एवं उधारी के कारण कमाई एवं बचत नही हो पाती इसलिए वे अपने गांव से 08 कि.मी. दूरी पर रावन (अल्ट्राटेक सीमेंट) में एक टेलर्स दुकान में कारीगार का कार्य करता हैं अपने ग्राम से रावन तक कि दुरी ट्रायसायकल से करता था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– फिर वह गृहिणी संस्था के संम्पर्क 2016 में आया जो कि विशेषकर दिव्यांगो के मार्गदर्शन हेतु कार्य करती है उसे संस्था द्वारा हक एवं अधिकार कि तथा दिव्यांगो के लिए संचालित शासकीय योजनाओ के बारे में जानकारी हुई उन्हे रावन आने–जाने में कठिनाई होती थी उसके लिए मोटराईज ट्रायसायकल हेतु आवेदन किया। इसके बाद अप्रैल 2016 में शादी सिमगा ब्लाक के ग्राम केशली की लड़की से जो कि गैर विकलांग से हुआ है।

उनको विवाह पश्चात दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन राशि मिलने की जानकारी गृहिणी संस्था द्वारा पूर्व से पता चल चुका था वे सभी दस्तावेज तैयार करने में मदद की गई। कुछ समय पश्चात उनको शासन से 50000 हजार रूपये की राशि प्राप्त हुई जिसका सदुपयोग करते हुए अपने ही ग्राम में चिकन सेंटर का व्यवसाय दिनांक 06.10.2017 से प्रांरभ किया है। जिसमें उसकी आमदानी प्रतिदिन 200 रूपये हो जाती है। पहले से सिलाई का कार्य की जानता है सिलाई कार्य जारी रखा हुआ है अब उसकी वर्तमान कमाई दोगुनी हो गई है।

सफलता की कहानी 05

संतोष कुमार/पिता जनक राम वर्मा

पता – ग्राम केसदा , विकासखण्ड–सिमगा ,

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित , व्यवसाय– ठेला

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– संतोष कुमार वर्मा पिता जनक राम वर्मा ग्राम केसदा ब्लाक सिमगा का निवासी है और जन्म से अस्थि बाधित विकलांग है पारिवारिक स्थिती कमजोर होने के कारण सिर्फ 8 वी तक ही शिक्षा ग्रहण कर पाया और परिवार का हाथ बटाने एक छोटा सा ठेला गांव में हि चलाने लगा संतोष का विवाह एक गैर विकलांग लड़की से हुआ जिनसे अभी 3 बच्चे भी है। आर्थिक व शारिरिक समस्या के चलते संतोष को अपना ठेला बंद करना पड़ा अब पत्नी की कमाई से ही घर का खर्च चलने लगा।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :–संतोष 2013 में गृहिणी संस्था से जुड़ा और कार्यकर्ता के मार्ग दर्शन में विभिन्न कार्यक्रमो में सम्मिलित होने लगा इस तरह संतोष में पुनः आत्म निर्भता आने लगा और वर्तमान में पुनः ठेला का प्रारंभ किया है और प्रतिदिन अपने व्यवसाय से 80–100 का आय प्राप्त कर अपने परिवार को आर्थिक मदद करने लगा है। भविष्य में संतोष लोन लेकर अपने व्यवसाय को बढ़ाना चाहता है।

सफलता की कहानी 06

कार्यक्रम का नामः– **सामूहिक रूप से आय अर्जक गतिविधि**

कार्यक्रम का स्थानः– ग्राम पंचायत रसेड़ी

विकासखण्ड़–बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

समूह सदस्योंकि संख्याः– पुरूष–0 महिला–05 कुल–05

कार्यक्रम का उद्धेष्यः–दिव्यांग समूह कि आय अर्जक गति विधि में बढ़ोतरी करना

कार्यक्रम का विवरणः– ग्राम रसेड़ी विकासखण्ड़ बलौदाबाजार ,में सक्षम दिव्यांग सबल समुह द्वारा आय अर्जक गतिविधि को बढ़ाने के लिए समूह द्वारा सामूहिक रूप से पैर दान निर्माण कार्य प्रारंभ किया इस व्यवसाय से दिव्यांग समूह कि आय में वृद्धि हुआ। जिससे दिव्यांग साथी अपने हुनर से आर्थिक स्थिति में सुधार कर अपने व समूह सदस्यो के लिए स्वरोजगार के माध्यम से व्यवसाय प्रारंभ किया। पैर दान बनाने कि ऐसा व्यवसाय है जिसमें कम लागत में एक अच्छा स्वरोजगार सिद्ध साबित हो रहा है जिन्हे बनाकर दिव्यांग साथीयों कि आमदानी में वुद्धि हुई है।

इस व्यवसाय को प्रारंभ करने में कच्चे समान के लिए बड़े बाजार कि आवश्यकता नही होती ग्राम स्तर मे पुरानी साड़ी जो कि आसनी से ग्राम स्तर पर मिलती है, जिससे पैर दान बनाई जाती है, और पैर दान कि मांग ग्राम स्तर के बाजार मे थोक व चिल्हर के भाव में बिक जाती है। इस व्यवसाय को प्रांरंभ करने के पश्चात लगभग समूह मासिक आय 2000 रूपये हुआ है। जो कि दिव्यांगो के लिए एक अच्छा स्वरोजगार साबित हुई है।

दिव्यांगो हेतु यह एक कम लागत में स्वरोजगार ।

कार्यक्रम कि सफलताः–

1. **समूह कि आय अर्जक से जोड़न हेतु छोटी सी पहल।**
2. **ग्राम स्तर के बाजार में थोक व चिल्हर विक्रय कि जाती है।**
3. **कच्चे सामन के लिए बड़े बाजार कि आवश्यकता नही।**
4. **ग्राम स्तर के बाजार में थोक व चिल्हर विक्रय कि जाती है।**

सफलता की कहानी 07

कार्यक्रम का नामः– सामूहिक रूप से आय अर्जक गतिविधि

कार्यक्रम का स्थानः– ग्राम सलौनी

विकासखण्ड़– बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

समूह सदस्योंकि संख्याः– पुरूष–8 महिला–4 कुल–12

कार्यक्रम का उद्धेश्यः– दिव्यांग समूह कि आय अर्जक गति विधि में बढ़ोतरी करना

कार्यक्रम का विवरणः– ग्राम सलौनी, विकासखण्ड़ बलौदाबाजार में जय मॉ दिव्यांग सबल समुह द्वारा आय अर्जक गतिविधि को बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत में बाजार ठेका के लिए 05.03.2017 को ग्राम पंचायत में अनुमोदन कर सामुहिक रूप से बाजार ठेका हेतु मांग कि गई जिसे ग्राम पंचायत ने दिव्यांग समूह के अनुमोदन को 01.04.2017 से दिव्यांग समूह के लिए पास किया और पंचायत द्वारा समूह को निर्देश दिया गया कि आप बाजार ठेका सामूहिक रूप से वसुली कर सकते हो एवं इसके फलस्वरूप आप सभी दिव्यांग साथी को बाजार कि साफ सफाई करनी होगी जिसे समूह द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर बाजार वसुली का कार्य प्रारंभ किया। दिव्यांगो द्वारा समूह कि आय में और वृद्वि करने के लिए समूह सदस्यों द्वारां मुर्गी कटिन व्यवसाय छोटे स्तर पर प्रारंभ किया इस व्यवसाय से दिव्यांग समूह कि आय में बढ़ोतरी हुई। जिससे दिव्यांग साथी

सामूहिक सहमति से एक छोटी व्यवसाय मुर्गी कटिन का कार्य प्रारंभ किया गया। आज दिव्यांग समूह के सदस्यों द्वारा मेहनत एवं लगन से ग्राम स्तर में सामुहिक रूप समुह से आर्थिक स्थिति में सुधार कर अपने व समूह सदस्यो के सहमति पर स्वरोजगार के माध्यम से बाजार ठेका एवं मुर्गी कटिन व्यवसाय प्रारंभ किया। जिसमें शुरूआत में कम लागत में एक अच्छा स्वरोजगार सिद्ध साबित हो रहा है ।जो कि दिव्यांग साथी के आमदानी में बढ़ोतरी हुई है। इस व्यवसाय जुडने से ग्राम स्तर के वह दिव्यांग जो कि अपने दिव्यांगता के कारण बेरोजगार थे उन्हे समूह के माध्यम से स्वरोजगार मिला जिससे उसकी आर्थिक स्थिति में बढोतरी हुई। इस व्यवसाय से जुडने के पश्चात लगभग समूह मासिक आय 3000 रूपये हुआ है। जो कि दिव्यांगो के लिए एक अच्छा स्वरोजगार साबित हुई है।

ग्राम स्तर के बाजार में चिल्हर विक्रय कि करना।

कार्यक्रम कि सफलताः– सामूहिक प्रयास से समूह के सदस्यों के स्वरोजगार ।

दिव्यांग समूह के सदस्यों द्वारा सामुहिक प्रयास करना ।

समूह कि आय अर्जक से जोड़ने हेतु छोटी सी पहल।

आमदानी में बढ़ोतरी हेतु दो व्यवसाय करना।

सफलता की कहानी 08

बीना साहू ,

पिता श्री मुन्ना साहू / माता स्व. तीजमती साहू

पता – वार्ड न. – 03 इंद्रा कलोनी, बलौदाबाजार

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 80 प्रतिषत

परिवारिक स्थिति :– बीना साहू का परिवार जो कि एक निम्न आय वर्ग की स्थिति में है परिवार का भरण पोषण पिता द्वारा ड्राइवर का काम कर किया जाता है। जन्म से ही दोनो पैर से दिव्यांग वीणा के तीन बहन एवं दो भाई है। दो बहन एवं दोनो भाईयों का शादी हो चुका है, बीना भाई बहनों में सबसे बढ़ी है। बीना के परिवार में कुल 08 सदस्य है। बीना की शिक्षा 8 वीं तक ही हो पाया क्योकि परिवार में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने एवं गंभीर दिव्यांग होनें के कारण व मॉ का देहांत हो जानें के कारण विद्यालय आनें जानें में परेशानी के कारण आगे की पढ़ाई नहीं हो पाया। बीणा जो कि दिव्यांग होते हुए भी आगे बढ़ना चाहती थी पर परिवार एवं समाज का सहयोग नहीं

मिलनें के कारण वो आगे नहीं बढ़ पा रही थी। उन्होनें नें कौशल विकास कार्यक्रम से सिलाई का कोर्स कर छोटे स्तर पर सिलाई का कार्य प्रारंभ कर अपनें घर के खर्चों में सहयोग करती थी। उन्हें शासन के पेंशन योजना के अलावा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा राहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– बीना जो कि शासन की योजना के बारें में अनभिज्ञ थी। उन्हें गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एवं शासन की योजनओं एवं दिव्यांगों के अधिकारों के बारें में जानकारी दिया गया , बीना संस्था के इस कार्य से बहुत ही प्रसन्न हुई एवं योजना के लाभ प्राप्त करनें के लिए तैयार हो गई एवं स्व वकालत से राशन कार्ड बनवाया व अपनें मोहल्लें के दिव्यांगों को समुह बनानें के लिए प्रेरित किया एवं दिव्यांग सबल समुह का निर्माण किया उसमें 10 सदस्य हैं। जो कि स्वयं सहायता के लिए मासिक 100 रूपए जमा करनें का निर्णय लिए एवं कुछ दिन बाद भारतीय स्टेट बैंक में खाता भी खुला लिए एवं आंतरिक लेन देन एवं बैंक में जमा भी करनें लगें।

संस्था के द्वारा जागरूकता प्रशिक्षण , अगरबत्ती प्रशिक्षण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बीना नें भागीदारी की एवं अन्य संस्थाओं पेपर क्राफ्ट बनानें का प्रशिक्षण ले कर पेपर का थैला बनाना भी प्रारंभ किया। बीना साहू जो कि शहरी आजीविका मिशन में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कार्य हेतु समुह द्वारा फार्म जमा कि थी क्योंकि बीना जो गैर दिव्यांग समुह में भी भागीदारी करती है। जिसे दिव्यांगता के कारण इस कार्य में उनका चयन नहीं किया जा रहा था। लेकिन संस्था के द्वारा पैरवी करनें पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत समुहों के द्वारा कचरा छटॉई वर्कर में इनको कार्य दिया गया। इस कार्य से इन्हें मासिक 5000 रूपए प्राप्त हो रहा है। इस कार्य से वो बहुत ही खुश है एवं परिवार का सहयोग कर रही है।

बीना जो कि अपनें कार्य के साथ दिव्यांग संगठन को भी सहयोग प्रदान करती है एवं समय समय में संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भागीदारी करती रहती है।

सफलता की कहानी 09

रोशनी पुरेना

पिता श्री हीरा राम पुरेना / माता श्रीमति वेद बाई पुरेना

पता – वार्ड नं. – 07 , पुरानी बस्ती , बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 80 प्रतिशत

परिवारिक स्थिति :– रोशनी पुरैना का परिवार जो कि एक मध्यम वर्गीय परिवार से है जिसमें पिता जी कृषक कार्य करतें है। रोशनी का दो बहन एवं तीन भाई है जिसमें रोशनी सबसे छोटी है। भाई एक शिक्षक का कार्य करतें है एक भाई रोजगार कार्यलय में आपरेटर का कार्य करतें है एवं एक भाई वकील का कार्य करतें हैं। बहन लोगों की शादी हो चुकी है। रोशनी जो कि जन्म से दिव्यांग है 8 वीं तक ही पढ़ाई कर पाई क्योंकि गंभीर दिव्यांग होनें के साथ – साथ बचपन से ही शारिरिक कमजोर भी है। उन्हें शासन के पेंशन योजना के अलावा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– रोशनी पुरैना जो कि शासन की योजना के बारें में अनभिज्ञ थी। उन्हें गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एवं शासन की योजनओं एवं दिव्यांगों के अधिकारों के बारें में जानकारी दिया गया ।योजना के लाभ प्राप्त करनें के लिए परिवार के सदस्य तैयार हो गयें एवं स्व वकालत से मोटराइज सायकल प्राप्त हो गया। रोशनी जो कि बीना साहू के साथ मिलकर सहेली भी बन गई और एक दुसरे का सहयोग करनें लग गई। और बीना के साथ संस्था के द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों में भागीदारी की जिससे उनके स्वयं का कौशल विकास हुआ। संस्था के सहयोग से बीना के साथ शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान में समुहों के द्वारा कचरा छटांई कार्य हेतु इनका चयन भी किया गया। जिसमें 5000 (पॉच हजार) रूपए मासिक मानदेय प्राप्त होता है। जिससे रोशनी बहुत ही खुश है। एवं अपनें आप को आत्म निर्भर महसुस कर रही है।

रोशनी पुरैना जो कि अपनें कार्य के साथ दिव्यांग संगठन को भी सहयोग प्रदान करती है एवं समय समय में संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भागीदारी करती रहती है। और रोषनी अपनी सोच के बारें में सब से यह कहती है कि हमारें जैसे दिव्यांग भाई बहनों सभी को एक आत्म निर्भर के जिंदगी यापन करनें हेतु सभी को रोजगार प्राप्त होना चाहिए।

सफलता की कहानी 10

यषोदा साहू

उम्र–28 वर्ष , शिक्षा– 12वी

पता – अहिल्दा, पोस्ट– लवन,विकासखण्ड़– बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित

परिवारिक स्थिति :–यशोदा का परिवार निम्न आय वर्ग की स्थिति में है और कृषि एवं मजदुरी कर परिवार का भरण पोषण परिवार के सदस्यों एवं उनके माता पिता के द्वारा किया जाता है। जन्म से ही दॉया पैर से दिव्यांग यशोदा के चार बहन एवं दो भाई का षादी हो चुका है यशोदा चौथे नम्बर की है एवं उनके बाद एक छोटी बहन एवं एक भाई जिनका विवाह नही हुआ है। यशोदा के परिवार में कुल 10 सदस्य है। यषोदा कि शिक्षा 12 वी तक हि हो पाया क्योकि परिवार में जनसंख्या ज्यादा होना एवं कमानें वाले कम होने के कारण जबकि यशोदा आगे पढ़ाई करना चाहती थी ,आगे की शिक्षा के लिए गॉव से दूर अपने 20 कि.मी. बलौदाबाजार आना पढ़ता जिसके लिए उनके परिवार सक्षम नही थें। यशोदा जो कि दिव्यांग होते हुए भी आगे बढ़ना चाहती थी पर परिवार एवं समाज का सहयोग नही मिलने के कारण वो आगे नही बढ़ पा रही थी उन्हे शासन के किसी भी योजना का लाभ नही मिल पा रहा था। उन्होने लगन से सिलाई सिख गयी थी एवं घर पर सिलाई की कार्य करती थी।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– यषोदा जो कि शासन की योजना के बारे में अनिभिज्ञ थी। उन्हे गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एव शासन की योजनाओं एवं दिव्यांगो के अधिकारो के बारे में जानकारी दिया गया यषोदा संस्था के इस कार्य से बहुत ही प्रसन्न हुई एवं योजना के लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार हो गई एवं स्व वकालत से अपना पेंषन व राशन कार्ड बनवाया व ग्राम के दिव्यागो को समूह बनाने के लिए प्रेरित किया एवं दिव्यांग सबल समुह का निर्माण किया उसमें 05 सदस्य जो कि स्वयं सहायता के लिए मासिक 100 रूपये

जमा करने का निर्णय लिए एवं कुछ दिन बाद भारतीय स्टेट बैंक में खाता भी खुला लिए एवं आंतरिक लेन देन एवं बैंक में जमा भी करने लगे।

संस्था के द्वारा उन्नत सिलाई प्रशिक्षण का कार्यक्रम रख गया जिसमें यषोदा ने भागीदारी की एवं नये डिजाईन बनाना सिखी अपने सिलाई के कार्य में दक्ष होने के बाद आज अपने स्वयं का सिलाई कार्य करते हुए ग्राम के 3 लड़कियो का सिलाई सिखा रही है जिनसे उन्हे 6000 रूपये मासिक प्रत्येक सिलाई सिखने वाली लड़कियों से 2000 रूपये एवं अपने स्वयं के सिलाई से 3000 रूपये कुल 9000 हजार रूपये कमा रही है। इसके साथ ही परिवार के द्वारा फैंसी एवं जनरल स्टोर्स भी खोला गया है जिसको यशोदा ही संचालन करती है एवं अपने परिवार का सहयोग करती है।

यषोदा जो कि अपने कार्य के साथ दिव्यांग संगठन को भी सहयोग करती है एवं समय समय में संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमो में भी करती रहती है।

सफलता की कहानी 11

त्रेता प्रसाद गेंडरे पिता मोहन लाल गेडरे

उम्र–38 वर्ष

षिक्षा– 8 वी

पता – मजगांव, विकास खण्ड़– भाटापारा,

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित

परिवारिक स्थिति :–त्रेता प्रसाद गेंडरे ग्राम मजगांव वि.खं. भाटापारा जिला बलौदाबाजार का निवासी है। त्रेता प्रसाद जी एक एक अस्थि बाधित दिव्यांग उम्र 38 वर्ष गरीब परिवार का है,यह ग्रमा में ही मजदुरी करते थे कुछ महिनो के लिए पलायन कर रोजी मजदुरी करके अपने परिवार का आजिविका चलाते थे। इन्हे षासन का कोई भी लाभ नही मिल पा रहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :–गृहिणी संस्था साईट सेवर्स द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेषी परियोजना के तहत् त्रेता प्रसाद जी का सर्वप्रथम बेसलाईन सर्वे द्वारा

यथोस्थिति के बारे में जानकारी लिया गया। षासन की दिव्यांग योजनाओ की जानकारी दिया गया । तब उन्होने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाया और साथ में ग्राम के 5 लोगो का प्रमाण पत्र बनवाने का सहयोग किया । एक और साथ पेशन के लिए आवेदन किये गृहिणी संस्था के माध्यम त्रेता प्रसाद जी को आजिविका से जोड़ने हेतु छोटे स्तर होटल (आलु चाप बड़ा) कि शुरूआत कम लागत में खुलवाये। आज त्रेता प्रसाद जी अपने व्यवसाय बढ़ाने के लिए ग्रामीण कुटा तिल्दा से 20 हजार रूपये ऋण लेकर किराना दुकान की नये व्यवसाय प्रारंभ किया और प्रतिदिन 80 से 90 रूपये कमाई कर लेता है। अपने परिवार का आजिविका चलाते है।

सफलता की कहानी 12

पेखन साहू / पिता श्री बालाराम साहू

पता – ग्राम डोनाडीह , विकासखण्ड बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 85 प्रतिषत

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– पेखन साहू का परिवार जो कि एक गरीबी स्थिति में जीवन यापन करता था। पेखन अपनी मॉ के साथ रहता है पिता जी उनके भाई भाभी के साथ अलग इनसे दूर रहतें है। भाई से पेखन को कोई सहयोग नहीं मिल पाता और मॉ वृध्द हो चुकी है जो कि घर का ही कार्य करती थी। परिवार का गुजारा केवल पेंषन और एक एकढ़ खेती के सहारें ही हो पाता था। परिवार एवं समाज का सहयोग नहीं मिलनें के कारण वो आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। उन्हें शासन के पेंषन योजना के अलावा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा राहा था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– पेखन साहू जो कि शासन की योजना के बारें में अनभिज्ञ थे। उन्हें गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एवं शासन की योजनओं एवं दिव्यांगों के अधिकारों के बारें में जानकारी दिया गया , पेखन साहू को संस्था के सहयोग से जागरूकता प्रषिक्षण, नेत्रीत्व प्रषिक्षण एवं विकासखण्ड स्तरीय बैठक में लगातार सम्मिलित हो कर अपना व्यक्तिव एवं समुह के बारें में जानकारी प्राप्त किया। संस्था के सहयोग से समाज कल्याण विभाग द्वारा मोटराइज ट्रायसायकल प्राप्त हुआ। संस्था के सहयोग से ही दिव्यांग युवक युवति परियचय सम्मेलन में पेखन नें भागीदारी की जिसमें बलौदाबाजार के लवनबंद से अस्थि बाधित दिव्यांग फुलमत साहू के साथ रिषता तय हुआ। व संस्था के सहयोग से ही अल्ट्राटेक ग्रामीण विकास केन्द्र के सामुहिक विवाह कार्यक्रम में इनका विवाह किया गया। पेखन साहू ने फिर राषन कार्ड के लिए आवेदन किया जिसमें उनके परिवार को मुख्यमंत्री राषन योजना के तहत 35 किलो ग्राम प्रत्येक माह राषन प्राप्त होता है। पेखन कि पत्नि का प्रसव निजि अस्पताल में सर्जरी से होने के कारण बहुत ही अधिक खर्च हो गया जो कि खर्च वो अपने खेत को गिरवी रख कर वाहन किया फिर भी खर्च पूरा वाहन नहीं हो पानें के कारण संस्था के कार्यकर्ता श्रीमति उषा साहू द्वारा ग्राम स्वस्थ्य एवं पोषण समिति सोनाडीही से संपर्क कर एवं ग्रामीण लोगो को इनके समस्याओं से अवगत करानें से 9000 (नौ हजार) रूपए एवं पेखन साहू के समुह को आर्थिक कार्य करनें के लिए ग्राम के संदुक पेटी समुह 1000 रूपए का सहयोग किया गया।

पेखन साहू जो कि संस्था के इस कार्य से बहुत ही खुश है और वह अपनी पत्नि बच्चे व मॉ पिता जी कि साथ अभी एक साथ जीवन यापन कर रहें है। अपनें कार्य के साथ दिव्यांग संगठन को भी सहयोग प्रदान करतें है एवं समय समय में संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भागीदारी करतें रहतें है।

सफलता की कहानी 13

दुर्गेश साहू/ पिता श्री गोकुल साहू
पता – ग्राम देवसुन्द्रा , विकासखण्ड–पलारी
जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)
दिव्यांगता – अस्थि बाधित 85 प्रतिषत

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– जिला बलौदाबाजार के अर्न्तगत ब्लाक पलारी से महज 11 कि.मी. दुर ग्राम देवसुन्द्रा में जन्में दुर्गेश साहू जन्म से ही विकलांग है। पिता व माता

सहित 60 चार बहन तीन भाई का संयुक्त परिवार है। दुर्गेष साहु का जन्म 13.09.1998 को हुआ है। दुर्गेश का परिवार कृषि करके अपना जीवन यापन कर रहे है। जन्म से दुर्गेष का विकलांगता पता चलते ही परिवार के लोग इलाज के लिए खरतोरा, रायपुर एम.एम.आई ,बलौदाबाजार जैसे बड़े षहरो में डाक्टरो से इलाज कराया गया। इलाज के लिए पैसे नही होने के कारण परिवार ने 2 एकड़ खेत बेच दिये । इन सबके बावजुद दुर्गेश की विकलांगता में कोई सुधार नही हो पाया । दुर्गेश की उम्र 10 वर्ष होने पर स्कुल में भर्ती किया गया। बड़े भाई पीठ पर बैठाकर स्कूल लाने ले जाने का कार्य करते थे। 14 वर्ष की उम्र में 3 सरी पढ़ाई पूरी होन पर बड़ा भाई सायकल से स्कूल छोड़ते थें। 8 वी तक गॉव के स्कूल नही होने के कारण और दुसरे ग्राम ससहा 5 कि.मी. जाने में असमर्थता के कारण घर वालो ने पढ़ाई बंद करा दिया। विकलांगता के कारण दुर्गेश का विवाह लगभग 34 वर्ष की उम्र में मीना साहु भवानीपुर से परंतु मीना कि मानसिक स्थिति खराब होने के कारण 1 माह भी नही चल पाई और समाज ने अलग अलग रहने का निर्णय दिया फिर तरेंगा की बिसनीन साहू से 35 अस्थि से विवाह सम्पन्न हुआ ।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– संस्था कार्यकर्ता के द्वारा दुर्गेष से सम्पर्क कर षासन की सभी योजनाओं कि जानकारी दिया गया। विवाह पष्चात ,विाह प्रोत्साहन राशि हेतु समाज कल्याण विभाग में आवेदन किया गया साथ ही उसे ट्रायसायकल भी दिलाया गया विवाह प्रोत्साहन राशि से प्राप्त उन रूपयो से परिवार में भाइयों के साथ मिलकर ईट भट्टा निर्माण का कार्य किया और उन ईटो को स्वच्छ भारत मिषन के तहत ग्राम के शौचालय निमाण में लगाकर अपने आजिविका में वृद्धि किया।

सफलता की कहानी 14

प्रहलाद गिरी/सुमेंदी गिरी

उम्र–28 वर्ष , जाति–ब्राम्हण, शिक्षा– 3री,

पता – ग्राम तरेंगा , विकासखण्ड–भाटापारा

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– प्रहलाद जी को पहले से पेंशन,राशन कार्ड मिल रहा है ये अपने माता पिता पर आश्रित रह कर जीवन यापन कर रहा है।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :–गृहिणी संस्था में फरवरी 2017 जुड़ा तो इनकी यथोस्थिति एवं इच्छाा के बारे में जानकारी लिया गया। ग्राम में दिव्यांग समूह का गठन किया गया है उनमें प्रहलाद जी सदस्य के रूप में है। मासिक बचत करत है। गृहिणी संस्था के माध्यम से प्रहलाद जी को स्मार्अ के संचालन प्रशिक्षण दिलवाया गया। आज इन्हाने अपने घर में समय के अनंसार बर्तन साफ,झाडू लगाना,तुलसी चौरा में दिया जलाना स्वयं टी.वी के रिमोर्ट से चालू करना, सब्जी को पहचान करना, उवं विभिन्न कार्य स्वयं कर लेता है। इससे पहले वह बिना सहयोगी के घर से नही निकल पाता था आज वह स्कुल पंचायत भवन स्वयं चला जाता है। इन्हे संकेतक घडी (केन) भी जनपद कार्यलय से दिलवाया गया।

सफलता की कहानी 15

मीना/पिता सुरज मल

उम्र–29 वर्ष , षिक्षा– 8 वी,

पता – ग्राम तुरमा (गुर्रा) ,विकासखण्ड–भाटापारा ,

जिला – बलौदाबाजार– भाटापारा

दिव्यांगता – अस्थि बाधित, घर परिवार– स्वयं एवं 1 पुत्र

व्यवसाय– सिलाई कार्य (2016)

दिव्यांग समूह का नाम– इंदिरा गृहिणी स्वयं सहायता समूह

दिव्यांगता – दृष्टि बाधित

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– मीना जी एक एक अस्थिा बाधित दिव्यांग परिव्यक्ता और गरीब परिवार में जीवन यापन कर रही थी उन्हे षासन की कुछ भी दिव्यांग योजनाए नही मिल पा रही थी। केवल साधारण सिलाई कार्य करती थी।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– गृहिणी संस्था में नवरी 2017 से जुड़ी तो इनकी यथोस्थिति की जानकारी लिया गया योजनाओं की चर्चा किये। आज इनका दिव्यांग प्रमाण पत्र बना, राशन कार्ड प्राप्त हुआ और ग्राम स्तर पर दिव्यांग समूह का गठन कर मासिक बचत कर रही है समूह का अध्यक्ष भी है। इन्होने प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड बनवाने कलेक्टर जी को आवेदन कर स्ववकालत किये थे । मीना जी ने गृहिणी संस्था के माध्यम से उन्नत सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर ब्लाऊज के अनेक प्रकार के डिजाईन सुट सिलाई कर प्रतिदिन 70 से 80 रू. कमाई कर अपने परिवार का आजिविका चलाती है।

सफलता की कहानी 16

लता यादव

उम्र–24 वर्ष , शिक्षा– 8 वी

पता –ग्राम पौसरी ,विकासखण्ड–सिमगा ,

जिला – बलौदाबाजार– भाटापारा (छ.ग.)

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– लता यादव सिमगा ब्लाक के ग्राम पौसरी की निवासी है और अनका पुरा परिवार मजदुरी करके जीवन यापन करता है जिसके चलते लता सिर्फ 8 वी तक ही पढ़ाई कर पाई पढ़ाई छोड़ने के बाद घर के कामो में हाथ बंटाने लगी।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– इसी बीच 2013 में गृहिणी संस्था से परिचित हुई और विभिन्न प्रषिक्षणो में भाग लेने लगी और समुह गठन के लिए गॉव के दिव्यागों ने समुह बनाने से मना कर दिया तब लता 2 दृष्टि बाधित और 11 गैर दिव्यांग महिलाओ के साथ सखी समुह का गठन किया जिसे गृहिणी संस्था द्वारा आयोजित अगरबत्ती प्रषिक्षण से जोड़कर आय अर्जक गतिविधि से जोड़कर सामुहिक रूप से कार्य कर रही है आज पुरा गॉव लता पर गर्व करता है।

सफलता की कहानी 17

जगन्नाथ

उम्र – 26 ,

पता – बलौदाबाजार. विकासखण्ड– बलौदाबाजार

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 90 प्रतिषत

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– जगन्नाथ परिवार कि एक गरीब परिवार का लड़का है जिनके आजिविका का साधन कृषि मजदुरी का काम करती है जिससे उनको पर्याप्त आय नही मिल पाता ऐसे मे जगन्नाथ कि पढाई प्रभावित हो रहा था जगन्नाथ का परिवार आस पास काम व मजदुरी करके जीवन यापन करता है किन्तु दिव्यांगता के कारण जगन्नाथ परिवार में आर्थिक मदद नही कर पाता था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– उन्हे गृहिणी संस्था कार्यकर्ता द्वारा जब बेसलाईन सर्वे किया गया तब हमारी कार्यकर्ता द्वारा उनके अंदर आगे बढ़ने के ललक देखा गया उनको क्षमता विकास प्रषिक्षण के तहत स्ववकालत कर उन्होने मोटराइज ट्रायसायकल एवं बैसाखी प्राप्त किया ग्राम पंचायत में पेंषन के लिए स्ववकालत कर पेंषन प्राप्त हुआ दिव्यांगो हेतु मिलने वाली राषन कार्ड के लिए आवेदन किया जिसके पश्चात 10 किलो राषन मिला कम्प्युटर सेंटर में काम कर प्रति माह 3500 रूपये माह में काम कर है। जगन्नाथ गैर दिव्यांग समुह से जुड़ कर मशरूम उत्पादन का कार्य करना चाहता है।

जगन्नाथ जी ऋण लेकर कम्प्युटर सेंटर संचाालन करना चाहता है। अब जगन्नाथ के हौसले बुलंद आगे वह कम्प्युटर के क्षेत्र में बढ़ना चाहती है।

सफलता की कहानी 18

सरिता सोनकर/स्व. परदेशी सोनकर

माता सुमित्रा , उम्र – 23 ,

षिक्षा 12 वी पास,

पता – वार्ड क्र. 03. विकासखण्ड–सिमगा

जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

दिव्यांगता – अस्थि बाधित 40 प्रतिषत

संस्था से जुड़नें के पहले परिवारिक स्थिति :– सरिता सोनकर का परिवार कि एक गरीब परिवार का लड़की है जिनका पिता का देहांत बचपन में हो गया था एक भाई व दो बहन थी जिसमे एक बहन का विवाह हो गया और छोटी बहन व भाई अविवाहित है पिता के देहांत के बाद मॉ ने कृषि मजदुरी का काम कर पालन पोषण किया है जिससे उनको पर्याप्त आय नही मिल पाता ऐसे मे सरिता सोनकर कि पढाई प्रभावित हो रहा था सरिता का परिवार आस पास काम व मजदुरी करके जीवन यापन करता है किन्तु दिव्यांगता के कारण सरिता परिवार में आर्थिक मदद नही कर पाता था।

गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :– उन्हे गृहिणी संस्था कार्यकर्ता द्वारा जब बेसलाईन सर्वे किया गया तब हमारी कार्यकर्ता द्वारा उनके अंदर आगे बढ़ने के ललक देखा गया उनको क्षमता विकास प्रषिक्षण के तहत स्ववकालत कर उन्होने वर्धमान कम्प्युटर सेंटर में एक वर्ष तक कम्प्युटर की षिक्षा लिया आज इसी कम्प्युटर सेंटर में डाटा एंट्री आपरेटर के रूप मे प्रति माह 3000 रूपये माह में काम कर है। अब सरिता के हौसले बुलंद आगे वह कम्प्युटर के क्षेत्र में बढ़ना चाहती है।

प्रेस रिलीज